हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 04, अंकः-36, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, मंगलवार 14 जुलाई 2026

पत्नी की हत्या के मामले में जेल से छूटे युवक ने भाभी की...02

एक पेड़ मां के नाम महाअभियान की गूंज, आबकारी मंत्री...06

चांदी 3,155 गिरकर 2.17 लाख किलो पर आई

शुरुआती गिरावट के बाद संभला बाजार

रूस-ईरान ने क्रिप्टो में 9.92 लाख करोड़ का व्यापार किया

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

सीबीआई जांच की मांग पर केंद्र, यूपी सरकार और ट्रस्ट को उच्च न्यायालय का नोटिस

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या राम मंदिर चढ़ावे में गड़बड़ी और धन के दुरुपयोग के आरोपों की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग वाली याचिकाओं पर सोमवार को केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया। न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) को अब तक की जांच की स्थिति पर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। रिपोर्ट में एसआईटी के बारे में भी उल्लेख करने को कहा गया है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई की। केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से उपस्थित सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि एसआईटी की स्थिति रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दाखिल की जाएगी। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने मंदिर ट्रस्ट को नोटिस जारी करने को टालने का अनुरोध किया, जिसे पीठ ने अस्वीकार कर दिया। याचिकाकर्ताओं में से एक के अधिवक्ता ने न्यायालय से सीसीटीवी फुटेज और अन्य अभिलेख सुरक्षित रखने का निर्देश देने का अनुरोध किया। याचिकाकर्ताओं ने एसआईटी की रिपोर्ट की प्रति उन्हें भी उपलब्ध कराने की मांग की, लेकिन पीठ ने फिलहाल इससे इनकार करते हुए कहा कि जांच जारी है और इस पर बाद में विचार किया जाएगा ।एक याचिका नरेन्द्र कुमार गोस्वामी ने स्वयं दायर की है, जिसमें सीबीआई जांच के साथ-साथ श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय लेनदेन का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) से ऑडिट कराने की मांग की गयी है। दूसरी याचिका अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव ने दायर की है। इसमें भी सीबीआई जांच की मांग करते हुए केंद्र, उत्तर प्रदेश सरकार और ट्रस्ट को श्रद्धालुओं एवं दानदाताओं के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश देने की मांग की गयी है। याचिका में कहा गया है कि आरोप अंततः सही साबित हों या नहीं, लेकिन वित्तीय अनियमितताओं की रिपोर्टों से राम मंदिर आंदोलन का समर्थन करने वाले और दान देने वाले लोगों में व्यापक चिंता पैदा हुई है। तीसरी जनहित याचिका राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह ने दायर की है। इसमें उच्चतम न्यायालय की निगरानी में सीबीआई जांच के अलावा ट्रस्ट के पूरे वित्तीय लेनदेन का फॉरेंसिक जांच कराने की मांग की गयी है। याचिका में सभी वित्तीय दस्तावेज, डिजिटल लेजर, यूपीआई लेनदेन का विवरण और बैंक अभिलेख सुरक्षित रखने का निर्देश देने की मांग की गई है, ताकि किसी भी साक्ष्य से छेड़छाड़ न हो सके। याचिकाकर्ता ने यह भी अनुरोध किया है कि प्रस्तावित निगरानी समिति की पूर्व अनुमति के बिना ट्रस्ट को बड़े निवेश, महत्वपूर्ण अनुबंध या बड़े वित्तीय निर्णय लेने से रोका जाए। साथ ही ट्रस्ट को पारदर्शिता के हित में जांच की गयी वित्तीय रिपोर्ट और दान संबंधी विवरण अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सार्वजनिक करने का निर्देश देने की भी मांग की गयी है।

खुदरा महंगाई दर जून में उछलकर 4.38 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जून में खुदरा महंगाई दर में वृद्धि दर्ज की गई है। यह मई के 3.93 फीसदी से बढ़कर जून में 4.38 फीसदी पर पहुंच गई है। इस वृद्धि का मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी है। यह जानकारी सोमवार को जारी किए गए सरकारी आंकड़ों से सामने आई है। जून में खुदरा महंगाई दर में वृद्धि का मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खाद्य महंगाई जून में 5.32 फीसदी रही। यह मई में दर्ज की गई 4.78 फीसदी की तुलना में अधिक है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि उपभोक्ताओं के लिए चिंता का विषय बन गई है। सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि मुख्य महंगाई दर 4 फीसदी पर बनी रहे। इसमें दो फीसदी ऊपर या नीचे का मार्जिन रखा गया है। जून में 4.38 फीसदी की महंगाई दर इस लक्ष्य सीमा के भीतर तो है, लेकिन यह 4 फीसदी के करीब पहुंच गई है। खाद्य महंगाई में वृद्धि के कारण भारतीय रिजर्व बैंक पर महंगाई को नियंत्रित करने का दबाव बढ़ सकता है। खुदरा महंगाई में वृद्धि का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है। खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ने से घर का बजट प्रभावित होता है।

बाबा बर्फानी के दर्शन को 7,754 श्रद्धालुओं का नया जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू, एजेंसी। कश्मीर घाटी में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार को 7,700 से अधिक श्रद्धालुओं का 12वां जत्था जम्मू में दो आधार शिविरों से रवाना हुआ। अब तक, 2,52,000 से अधिक तीर्थयात्री 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर में भगवान शिव के हिमलिंगम के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि कुल 7,754 तीर्थयात्री 303 वाहनों में रवाना हुए जिनमें 5,383 पुरुष, 2,071 महिलाएं, 222 साधु, 58 साध्वियां, 16 बच्चे और चार ट्रांसजेंडर व्यक्ति शामिल थे। काफिले को दो अलग-अलग समूहों में बांटा गया था। बालटाल मार्ग का काफिला तड़के 3.30 बजे रवाना हुआ जिसमें 133 गाड़ियां और 2,896 तीर्थयात्री शामिल थे।

चंडीगढ़ में किसानों के प्रदर्शन से कई मार्गों पर जाम

चंडीगढ़, एजेंसी। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू-राजेवाल) के प्रदर्शन के लिए सोमवार को बड़ी संख्या में किसान चंडीगढ़ पहुंचे, जिसके चलते शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। प्रदर्शनकारी सेक्टर-34 स्थित एग्जीबिशन ग्राउंड में एकत्र हुए, जबकि रास्ते में कई स्थानों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सबसे अधिक असर सेक्टर-42 जंक्शन (अटावा चौक), सेक्टर-35᠎43 डिवाइडिंग रोड और सेक्टर-44 जंक्शन पर देखने को मिला। ट्रैफिक पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचकर मैन्युअल तरीके से यातायात नियंत्रित करते रहे, ताकि जाम को कम किया जा सके। प्रदर्शन आगे बढ़ने के साथ ही सेक्टर-43 बस स्टैंड (इनर रोड) और सेक्टर-35᠎34 जंक्शन पर भी ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया। हालात को देखते हुए पुलिस ने कई मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया और लोगों को वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की सलाह दी।

राम मंदिर के लिए सीईओ भर्ती प्रक्रिया शुरू

अयोध्या, संवाददाता। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पद के लिए आवेदन आमंत्रित कर दिए हैं। तीन वर्ष के कार्यकाल वाले इस पद के लिए 18 जुलाई अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। ट्रस्ट का उद्देश्य मंदिर के प्रशासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और आधुनिक बनाना है।अधिसूचना के अनुसार 50 से 70 वर्ष आयु वर्ग का कोई भी स्नातक अभ्यर्थी आवेदन कर सकता है। उम्मीदवार का हिंदू एवं श्रीरामभक्त वैष्णव होना आवश्यक है। हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं का ज्ञान अनिवार्य रखा गया है।

योगी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, अपराधियों और अवैध कब्जाधारियों पर सख्ती के निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन किया। उन्होंने प्रदेश भर से आए हर फरियादी से मुलाकात की, उनकी शिकायत सुनी और अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री को गाजियाबाद, मेरठ व नोएडा से जुड़े एक बिल्डर के खिलाफ शिकायत मिली। इस पर मुख्यमंत्री ने जांच कर कार्रवाई करने के दिए निर्देश हैं। पीड़ितों ने बताया कि बिल्डर ने एक ही फ्लैट कई लोगों को रजिस्ट्री कर दिया है। मुख्यमंत्री ने इस प्रकरण को गंभीरता से लिया और कहा कि जांच में बिल्डर के दोषी मिलने पर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाना सुनिश्चित किया जाय। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध कब्जे से जुड़े मामले में शिकायत मिलने पर सख्ती से जांचकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करें। धमकी के मामले में मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधियों के लिए यूपी में कोई जगह नहीं है, पुलिस ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई करे। सारी कार्रवाई की प्रगति से सरकार को अवगत करायें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष अवैध कब्जे से जुड़े मामले आये। पीड़ितों ने आरोपियों पर धमकी देने का भी आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने फरियादियों के प्रार्थना पत्र लेकर शासन के अधिकारियों को प्रेषित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। अवैध कब्जा करने व धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। साथ ही अपराध व कब्जे से जुड़े मामलों की विवेचना में तेजी कर पीड़ितों को ससमय न्याय और दोषियों को दंड दिलाया जाय।

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल मदरसा स्टाफ की नियमतीकरण की याचिका खारिज की

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के मदरसों में अपनी नियुक्ति के लिए मान्यता की मांग करने वाले 350 शिक्षकों एवं अन्य स्टाफ की याचिका सोमवार को खारिज कर दी। पश्चिम बंगाल मदरसा सेवा आयोग अधिनियम 2008 को कलकत्ता उच्च न्यायालय की एकल न्यायाधीश पीठ ने असंवैधानिक करार दिया था, जिसके बाद इन सभी की नौकरी चली गयी थी। न्यायालय ने बाद में इस फैसले को बरकरार रखा था। याचिकाकर्ताओं ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि उनकी नियुक्ति स्थायी थी इसलिए उन्हें पश्चिम बंगाल की सहायता-अनुदान योजना के तहत तनख्वाह मिलनी चाहिए। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने संबंधित याचिकाओं को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि वे सुनवाई योग्य नहीं हैं।

केजीएमयू दीक्षांत समारोह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले

एआई नहीं, डॉक्टर की संवेदना बचाती है जिंदगी

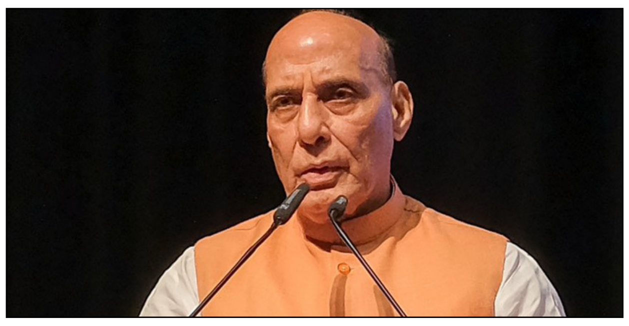

लखनऊ, संवाददाता। मशीनें इलाज में मदद कर सकती हैं, लेकिन मरीज के मन का दर्द नहीं समझ सकतीं। केजीएमयू के दीक्षांत समारोह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का यह संदेश पूरे संबोधन का केंद्र रहा। उन्होंने नव चिकित्सकों से कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और नई तकनीकें चिकित्सा क्षेत्र में क्रांति ला रही हैं, लेकिन डॉक्टर की संवेदना, करुणा और मानवीय स्पर्श ही जिंदगी बचाने की सबसे बड़ी ताकत है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज से युवा डॉक्टर केवल एक पेशे में नहीं, बल्कि मानव सेवा के सबसे पवित्र दायित्व में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सफेद कोट केवल एक पहचान नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और जिम्मेदारी का प्रतीक है। डॉक्टर अपने पेशे के प्रति लिया गया संकल्प कभी न भूलें, यही उनकी सबसे बड़ी पूंजी होगी। उन्होंने अमेरिका के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. पॉल फार्मर का उदाहरण देते हुए कहा कि गरीब और जरूरतमंद मरीजों की सेवा ही चिकित्सा का सर्वोच्च धर्म है। एक संपन्न व्यक्ति के पास इलाज के कई विकल्प हो सकते हैं, लेकिन गरीब मरीज डॉक्टर के पास सिर्फ उम्मीद लेकर आता है। इसलिए हर मरीज का बिना किसी भेदभाव के समान भाव से इलाज होना चाहिए। रक्षामंत्री ने रामचरितमानस का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि युद्ध में लक्ष्मण के घायल होने पर लंका के राजवैद्य सुषेण ने यह नहीं देखा कि मरीज किस पक्ष का है। उन्होंने केवल एक जीवन बचाने को अपना धर्म माना। यही चिकित्सा का वास्तविक दर्शन है और यही हर डॉक्टर की सबसे बड़ी पहचान होनी चाहिए। उन्होंने प्रसिद्ध चिकित्सक सर विलियम ऑस्लर का जिक्र करते हुए कहा कि कई बार बीमारी का सही सुराग मरीज की बातों में ही छिपा होता है। इसलिए डॉक्टरों को जल्दबाजी नहीं, बल्कि धैर्य और संवेदनशीलता के साथ मरीज की बात सुननी चाहिए। राजनाथ सिंह ने डॉक्टरों को अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखने की सलाह दी।

भाजपा के कानूनी नोटिस पर उमर अब्दुल्ला का तंज, बोले, यह मेरे लिए प्रेम पत्र के समान है

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि उन्हें कानूनी नोटिस के रूप में भारतीय जनता पार्टी से प्रेम पत्र मिलने पर गर्व महसूस हो रहा है, क्योंकि इससे साबित होता है कि वह एक ऐसी राजनीतिक ताकत हैं, जिसे वे नजरअंदाज नहीं कर सकते। भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई ने सोमवार को अब्दुल्ला को एक कानूनी नोटिस भेजा। यह नोटिस मुख्यमंत्री के उस दावे के बाद भेजा गया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा ने उनकी सरकार गिराने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों को नकद और मंत्री पद का लालच देकर खरीदने की कोशिश की थी। अब्दुल्ला ने पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से कहा, मुझे एक वकील से पत्र मिला है, जो एक इलेक्ट्रॉनिक प्रति है। मैं इसे बहुत सम्मान की बात मानता हूं, क्योंकि जम्मू-कश्मीर में मैं अकेला ऐसा राजनेता हूं, जिसे भाजपा ने इस तरह का श्प्रेम पत्रश् भेजा है। मैं इसे सम्मान के प्रतीक के रूप में देखता हूं। जाहिर है मैं जम्मू-कश्मीर में एक ऐसी राजनीतिक ताकत हूं, जिसे वे नजरअंदाज नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री ने भाजपा की ओर से भेजे गए कानूनी नोटिस पर पूछे गए सवाल के जवाब में ये बातें कहीं। इस नोटिस में चेतावनी दी गई थी कि अगर वह विधायकों को खरीदने के आरोपों को साबित नहीं कर पाते हैं या सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते हैं, तो उनपर 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर किया जाएगा।

राहुल बोले,मोदी सरकार और प्रधान ने जवाबदेही से मुंह मोड़ा, अब शिक्षा में क्रांति का समय

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को शिक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि मोदी सरकार व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने जवाबदेही से मुंह मोड़ लिया है। उन्होंने 17 जुलाई को देहरादून में आयोजित होने वाले श्छात्रों की गूंज कार्यक्रम से पहले यह भी कहा कि शिक्ष में क्रांति का वक्त आ गया है। राहुल गांधी पेपर लीक और परीक्षाओं में कथित धांधलियों के विषय पर छात्रों की गूंज अभियान चला रहे हैं। इसके तहत पिछला कार्यक्रम राजस्थान के कोटा में आयोजित किया गया था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में दावा किया कि देश के छात्र आज भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए भ्रष्ट, अन्यायी, पक्षपाती और बेईमान जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था अब बेईमान वसूली तंत्र बन चुकी है और जो व्यवस्था बच्चों का भविष्य संवारने के लिए बनाई गई थी, वही उन्हें तथा उनके परिवारों को कर्ज, तनाव और निराशा की ओर धकेल रही है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार ने पेपर लीक माफिया को जन्म दिया है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लाखों छात्रों की वर्षों की मेहनत को एक झटके में बर्बाद कर देता है। कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि पेपर लीक मामलों में दोषी वेंडर्स और अधिकारियों को कार्रवाई के बजाय ठेके और तरक्की मिलती है, जबकि इसका खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ता है। उन्होंने केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे इस स्थिति से अवगत होने के बावजूद जवाबदेही तय करने के बजाय चुप्पी साधे हुए हैं। राहुल गांधी ने यह भी दावा किया कि इस मुद्दे पर मीडिया में भी सन्नाटा है।

न्यूनतम सुशासन, अधिकतम लीपापोती है मोदी सरकार की नीति: कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भ्रष्टाचार के मामलों को दबाने तथा जवाबदेही से बचने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उनकी सरकार की असली नीति न्यूनतम सुशासन, अधिकतम लीपापोती की रही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक बयान में कहा कि मई 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद श्री मोदी ने ना खाऊँगा, ना खाने दूँगा का नारा दिया था लेकिन यह दावा पूरी तरह से खोखला साबित हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने आठ नवंबर 2016 की श्री मोदी की नोटबंदी की घोषणा को संगठित लूट और वैध लूट बताने का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके बाद गुजरात स्टेट पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (जीएसपीसी) को ओएनजीसी में मिलाकर 20 हजार करोड़ रुपये के कथित घोटाले को छिपाने, चुनावी बॉण्ड योजना के माध्यम से कथित चंदा दो, धंधा लो व्यवस्था, राफेल सौदे पर उठे सवाल, बिना पारदर्शिता और जवाबदेही वाले पीएम केयर्स फंड तथा आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना जैसी प्रमुख सरकारी योजनाओं में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्टों में सामने आई अनियमितताओं का उल्लेख किया। श्री रमेश ने कहा कि पिछले कुछ सप्ताह में कई और घटनाएं सामने आई हैं।

पटना कोर्ट से खान सर को राहत

कोचिंग विवाद मामले में मिली अग्रिम जमानत दो बॉडीगार्ड्स को भी मिली राहत

पटना, एजेंसी। बिहार में पटना की एक सिविल कोर्ट ने सोमवार को चर्चित शिक्षक फैसल खान उर्फ खान सर और उनके दो बॉडीगार्ड्स को अग्रिम जमानत दे दी। मामला पटना के मुसल्लहपुर इलाके में दो कोचिंग संस्थानों के बीच हुए विवाद और कथित झड़प से जुड़ा हुआ है। इससे पहले न्यायाधीश की अनुपस्थिति के कारण जमानत याचिका पर सुनवाई टल गई थी और अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा था। कोर्ट के इस आदेश के बाद खान सर को बड़ी राहत मिली है। हालांकि मामले की जांच अभी जारी है और पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है। यह पूरा मामला 2 जून को हुई एक घटना से जुड़ा है। आरोप है कि पटना स्थित खान ग्लोबल स्टडीज के परिसर में कुछ लोगों के समूह ने पहुंचकर हंगामा किया और संस्थान में तोड़फोड़ की। शिकायत के अनुसार, करीब 15 से 20 लोगों के समूह ने कोचिंग परिसर पर पथराव भी किया।

ग्रेटर नोएडा: डीएम कार्यालय को ई-मेल से बम की धमकी

ग्रेटर नोएडा, संवाददाता। गौतमबुद्धनगर के जिला अधिकारी (डीएम) कार्यालय को सोमवार (13 जुलाई 2026) को ई-मेल के माध्यम से बम होने की धमकी मिलने से प्रशासनिक महकमे में कुछ समय के लिए सतर्कता बढ़ गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, बम निरोधक दस्ता (बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वाड), फायर ब्रिगेड, एंटी सबोटाज (ए.एस.) चेकिंग टीम तथा डॉग स्क्वाड मौके पर पहुंच गए और पूरे परिसर की गहन तलाशी शुरू कर दी गई। पुलिस के अनुसार, ई-मेल के जरिए मिली धमकी को गंभीरता से लेते हुए थाना सूरजपुर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की।

अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने तीन देशों में सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

तेहरान, एजेंसी। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर (आईआरजीसी) ने दक्षिणी ईरान पर रविवार रात हुए अमेरिकी हवाई हमलों के जवाब में सोमवार तड़के जॉर्डन, बहरीन और कुवैत स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किये। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर कथित हमलों को आधार बनाकर दक्षिणी ईरान में कई स्थानों पर हवाई हमले किये, जिसके जवाब में यह कार्रवाई की गयी। बयान के अनुसार, आईआरजीसी ने होर्मुज जलडमरूमध्य में दो जहाजों को रोका था, जिन्होंने अपना ट्रैकिंग सिस्टम बंद कर रखा था और बिना अनुमति निर्धारित मार्ग से हटकर नौवहन कर रहे थे, जिससे इस रणनीतिक जलमार्ग में यातायात प्रभावित हो रहा था। आईआरजीसी ने कहा कि जवाबी कार्रवाई के पहले चरण में जॉर्डन स्थित प्रिंस हसन एयरबेस पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया गया। बयान में कहा गया, जवाबी कार्रवाई के पहले चरण में प्रिंस हसन एयरबेस पर मिसाइल भंडार और ईंधन भंडारण सुविधाओं को निशाना बनाया।

हिन्दी दैनिक तीसरा विकल्प न्यूज़ | लखनऊ से प्रकाशित | मंगलवार, 14 जुलाई, 2026

पत्नी की हत्या के मामले में जेल से छूटे युवक ने भाभी की हत्या कर की आत्महत्या, पांच बच्चे हुए अनाथ

⇨ ज्येष्ठ ने कहा मुझसे मत उलझों नहीं तो मैं पागल हूं मार दूंगा लेकिन महिला ने एक न सुनी जिसके वजह से व्यक्ति ने क्रोध में आकर उतारा महिला को मौत की घाट

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के बेलहा तेंदूहनी गांव में सोमवार को रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली दोहरी वारदात से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पत्नी की हत्या के मामले में जेल से कुछ दिन पहले रिहा होकर घर लौटे कलक्टर उर्फ छोटू पुत्र श्याम नारायण ने अपने छोटे भाई की पत्नी संगीता देवी की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद वह मौके से फरार हो गया और रात में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

घटना के समय आरोपी की मां एवं पूर्व कोटेदार गीता देवी (65) मौके पर मौजूद थीं। उन्होंने बताया कि बेटे ने उनकी आंखों के सामने बहू पर लगातार कई बार लाठी से हमला किया। उन्होंने बहू को बचाने का प्रयास करते हुए बेटे को रोकने की भी कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना और वारदात के बाद भाग निकला। बूढ़ी मां ने बहु को बचाने के लिए पूरा कोशिश भी किया लेकिन नाकामयाब रही। वृद्ध महिला ने बताया कि चाय बनाने और चाय पिलाने की बात पर आगे बढ़ी थी। जिस पर महिला ने ज्येष्ठ पर लगातार मुंह से कुछ न कुछ बोल रही थी और गुस्से में आकर उसने लाठी से कई बार महिला के सिर पर प्रहार कर दिया जिससे उसकी मृत्यु हो जाती है। आरोपी ने भी गांव के एक पेड़ पर फांसी लगा ली, सूचना पर पहुंचे लालगंज इंस्पेक्टर वेद प्रकाश पाण्डेय ने खुद पेड़ पर चढ़कर मृतक की शव को पेड़ से उतारा। सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी लालगंज अमर बहादुर सिंह तथा प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश पाण्डेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार आरोपी पूर्व में अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में जेल गया था और हाल ही में रिहा होकर घर लौटा था। इस हृदयविदारक घटना के बाद आरोपी के एक पुत्र और दो पुत्रियां तथा मृतका संगीता देवी के दो पुत्र सहित कुल पांच बच्चे अनाथ हो गए हैं। पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

रोटरी क्लब मिर्जापुर रॉयल्स के शिविर में 24 यूनिट रक्तदान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

मिर्जापुर। रोटरी क्लब मिर्जापुर रॉयल्स द्वारा आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में उत्साही नागरिकों ने कुल 24 यूनिट रक्त दान किया। यह एकत्रित रक्त जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए सरकारी ब्लड बैंक को सौंपा गया।शिविर में अध्यक्ष तरनजीत सिंह ने कहा, फ्ररक्तदान महादान है, जो किसी भी संकटग्रस्त व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है। रोटरी क्लब भविष्य में भी ऐसे जनहित के कार्य जारी रखेगा।फ्रसचिव प्रियंका पांडेय ने आभार जताते हुए कहा, फ्ररक्तदाताओं, विशेषकर युवाओं का यह प्रयास सराहनीय है। आपका यह योगदान अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहे मरीजों के लिए बेहद कीमती साबित होगा।फ्रइस दौरान क्लब के सदस्य वैभव भूटानी, वैभव जैसवाल ,पद्माकर मिश्रा मोहित सिसोदिया ,गुरप्रीत सिंह, क्षितिज बुधिया , शशांक टंडन ,कवलजीत कौर ,हरजोत कौर , ख्याति भूटानी और मेडिकल टीम उपस्थित रही।

मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्राओं से छेड़छाड़ करने वाले छह युवक गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। कमिश्नरेट वाराणसी के मिशन शक्ति अभियान के तहत थाना चोलापुर पुलिस ने छात्राओं पर फब्तियां कसने और विद्यालयों व मंदिर के बाहर बेवजह घूम रहे छह युवकों को हिरासत में लिया। पुलिस ने सभी के विरुद्ध धारा 292 बीएनएसएस के तहत विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस आयुक्त, अपर पुलिस आयुक्त, पुलिस उपायुक्त वरुणा जोन, अपर पुलिस उपायुक्त तथा सहायक पुलिस आयुक्त सारनाथ के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक चोलापुर के नेतृत्व में उपनिरीक्षक स्वाती पाण्डेय अपनी टीम के साथ क्षेत्र में गश्त कर रही थीं। इस दौरान दीपराज इंटरमीडिएट कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज चोलापुर, धनश्याम सिंह ग्रेजुएट कॉलेज गोसाईपुर-मोहांव तथा हनुमान मंदिर गोला के आसपास छह युवक छात्राओं पर फब्तियां कसते और अनावश्यक रूप से घूमते मिले। पुलिस ने योगेश चौहान, करन यादव, सतीश यादव, शनि यादव, शुभम तथा आकाश सरोज को हिरासत में लेकर उनके विरुद्ध धारा 292 बीएनएसएस के अंतर्गत कार्रवाई की। इस अभियान में उपनिरीक्षक स्वाती पाण्डेय के साथ महिला कांस्टेबल प्रियाशी गोंड एवं महिला कांस्टेबल आयुषि शिखा शामिल रहीं।

बियॉन्ड मार्क्स अभियान की शुरुआत, अब अंकों से नहीं प्रतिभा से होगी पहचान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। प्रो माइंड एकेडमी प्राइवेट लिमिटेड ने शिक्षा में नई सोच के साथ %बियॉन्ड मार्क्स अभियान% की शुरुआत की। संस्था ने बताया कि अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों का मूल्यांकन केवल अंकों के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा, रुचि, व्यक्तित्व और क्षमता के अनुसार कर उन्हें सही दिशा देना है। संस्था के संस्थापक राजेश चौधरी ने कहा कि हर बच्चा अपनी अलग क्षमता और विशेषता रखता है। समय रहते उसकी प्रतिभा की पहचान होने पर वह आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य का सही चयन कर सकता है। अभियान के तहत विद्यार्थियों की प्राकृतिक प्रतिभा की पहचान, करियर मार्गदर्शन, व्यक्तित्व विकास और अभिभावकों को जागरूक करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। संस्था ने शिक्षा में सकारात्मक बदलाव के लिए सभी शिक्षकों, अभिभावकों और शैक्षणिक संस्थानों से इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

एथनॉल से जनता पर दोहरी मार अखिलेश यादव ने सरकार की नीति पर उठाए सवाल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार की एथनॉल मिश्रित ईंधन नीति पर तीखा हमला बोलते हुए इसे मुनाफाखोरी का नया नाम बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकारी मिलावट का ऐसा त्रि-मिश्रण है, जिसमें सरकार, एथनॉल उत्पादक और तेल कंपनियां मिलकर आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार एथनॉल मिश्रण के पक्ष में प्रदूषण कम होने और कच्चे तेल के आयात में कमी जैसे तर्क देती है, लेकिन यह नहीं बताती कि इससे कई वाहनों की माइलेज प्रभावित होती है। उन्होंने दावा किया कि वाहनों के रखरखाव का खर्च बढ़ रहा है, इंजन और फ्यूल सिस्टम से जुड़ी समस्याएं सामने आ रही हैं तथा लोगों को अधिक ईंधन खरीदना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एथनॉल के कारण पुरानी गाड़ियों में जंग लगने और तकनीकी खराबियों की आशंका बढ़ जाती है, क्योंकि अधिकांश पुराने वाहन इस प्रकार के ईंधन को ध्यान में रखकर तैयार नहीं किए गए थे। उनका आरोप था कि इससे वाहन मालिकों पर मरम्मत का अतिरिक्त खर्च बढ़ रहा है और बीमा दावों को लेकर भी विवाद की स्थिति बन सकती है। सपा प्रमुख ने महंगाई का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आज जब एक सामान्य परिवार बड़ी मुश्किल से बाइक या कार खरीद पाता है, तब महंगा ईंधन और बढ़ता रखरखाव खर्च उसकी आर्थिक स्थिति पर अतिरिक्त दबाव डालता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि खाद्यान्न और कृषि उत्पादों का उपयोग ईंधन बनाने में बढ़ेगा तो खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर असर पड़ सकता है और पानी की खपत भी बढ़ सकती है। अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि वह कुछ उद्योगों के लाभ के लिए आम जनता पर अतिरिक्त बोझ क्यों डाल रही है। उन्होंने मांग की कि सरकार एथनॉल नीति के आर्थिक, तकनीकी और पर्यावरणीय प्रभावों पर पारदर्शी जानकारी सार्वजनिक करे, ताकि उपभोक्ताओं को वास्तविक स्थिति का पता चल सके।

नगांव में जिला स्तरीय कार्यक्रम से मनाया गया विश्व जनसंख्या दिवस। नवविवाहित जोड़ों को दिए गए 'नयी पहल किट'।

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। नगांव जिले के शिडिमारी खंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (तारा बारी एम.पी.एच.सी.) में सोमवार को विश्व जनसंख्या दिवस (डाब्ल्यूपीडी) के अवसर पर 11-18 जुलाई तक चलने वाले कार्यक्रमों के अंतर्गत जिला स्तरीय उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक डॉ. पंचम कुमार बरा, जिला नोडल अधिकारी (एमडीएसआर) डॉ. कृष्ण के बोराह, एसडीएम एंड एचओ शिङिमारी बीपीएचसी डॉ. एल. पी. शर्मा, जिला प्रबंधक अनिर्वाण बोरठाकुर , जिला समाचार विशेषज्ञ परीस्मिता बुढ़ागोहाई , जिला कम्युनिटी मोबिलाइज़र राखी सैकिया , वरिष्ठ समन्वयक (आईपीएएस) शेखरज्योति हजारिका , मीडिया प्रतिनिधि, बीपीएमयू के समुच्चय अधिकारी, आशा कार्यकर्ता, योग्य दम्पति तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।समारोह के दौरान परिवार नियोजन के महत्व पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया और स्थानीय समुदाय में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के एक भाग के रूप में चार नवविवाहित दम्पतियों को फ्रनयी पहल किटफ्र वितरित की गईं, ताकि उन्हें जिम्मेदार और सूचित परिवार नियोजन अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।शिङिमारी खंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के तीन उत्कृष्ट आशा कार्यकर्ताओं मिनारा खातून, मरजिना खातून और हसनारा खातून को परिवार नियोजन के विभिन्न पहलुओं में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा, आशा कार्यकर्ताओं के ज्ञान को बढ़ाने और परिवार नियोजन की समझ को और मजबूत करने हेतु एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें सर्वश्रेष्ठ तीन टीमों को पुरस्कार दिए गए। आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर परिवार नियोजन, स्वास्थ्य सेवा और जनसंख्या प्रबंधन के प्रति सकारात्मक रवैया विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिले में आगामी दिनों में भी परिवार नियोजन और सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता अभियान जारी रखे जाने की जानकारी दी गई।

इनर व्हील क्लब उदिता की अध्यक्ष बनीं संजुलिका सिन्हा, नई कार्यकारिणी ने संभाला दायित्व

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। बनारस क्लब में आयोजित इनर व्हील क्लब ऑफ वाराणसी उदिता के स्थापना एवं पदग्रहण समारोह में वर्ष 2026-27 के लिए संजुलिका सिन्हा ने अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। नई कार्यकारिणी में रुचिका पटियाल (सचिव), अंजलि गुप्ता (कोषाध्यक्ष), कीर्ति सिंह (संपादक), स्मृति बाला (आईएसओ), कविता पाठक (आईपीपी) एवं श्वेता तोमर (उपाध्यक्ष) ने भी पदभार ग्रहण किया। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन मधु कामानी ने नई टीम को शुभकामनाएं दीं। अध्यक्ष संजुलिका सिन्हा ने सेवा, मित्रता और महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता बताते हुए समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया। समारोह में 32 जरूरतमंद बच्चों को जूते, दो गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार, वाराणसी फॉर एनिमल डॉग सेंटर को पांच पंखे तथा छात्रा कीर्ति पांडेय को शिक्षा के लिए ?5,000 की सहायता प्रदान की गई। साथ ही क्लब में 20 नए सदस्यों को भी शामिल किया गया। समारोह में जीत सिन्हा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बलिया जिले में पुलिस पिटाई से दलित युवक की मौत अत्यंत शर्मनाक- अखिलेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बलिया जिले में पुलिस की पिटाई से हुई दलित युवक की मृत्यु पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा सरकार में पुलिस पीडीए समाज पर लगातार अत्याचार कर रही है। बलिया जिले में थाने में पुलिस की पिटाई से दलित युवक की मौत अत्यंत शर्मनाक है। भाजपा सरकार में गरीबों, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं के साथ अन्याय हो रहा है। लोगों को तरह-तरह से अपमानित और प्रताड़ित किया जा रहा है। भाजपा राज में पुलिस बेलगाम है। पुलिस खुद अन्याय के सारे रिकार्ड तोड़ रही है। बलिया की घटना से पहले मेरठ में भी पुलिस का ऐसा ही व्यवहार सामने आया था। मेरठ में दलित समाज की बेटी ललिता गौतम के न्याय की आवाज उठाने पर पुलिस-प्रशासन ने पीड़ित परिवार सहित अन्य लोगों पर प्रहार और लाठी चार्ज किया।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता के अहंकार में संवेदनहीन हो चुकी है। सरकार को गरीबों का दुःख-दर्द और पीड़ा दिखाई नहीं दे रही है। गरीबों और पीड़ितों को न्याय नहीं मिल रहा है। श्री यादव ने कहा कि जब प्रदेश सरकार के प्रमुख ही सरेआम एक मृतक की मां के साथ असंवेदनशील होने का उदाहरण प्रस्तुत करेंगे तो उनकी पुलिस से कोई उम्मीद करना बेमानी है। भाजपा सरकार में प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त है। भ्रष्टाचार चरम पर है। पुलिस हिरासत में मौतों के मामले में उत्तर प्रदेश देश में सबसे ऊपर है। प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के अन्यायी शासन से त्रस्त है। जनता 2027 में सत्ता से हटाकर भाजपा के अन्यायी और अत्याचारी शासन का अन्त कर देगी।

मंडावली थाना प्रभारी पर बढ़ा पत्रकारों का दबाव, तबादले की मांग को लेकर प्रशासन को सौंपा ज्ञापन, 48 घंटे का अल्टीमेटम

तीसरा विकल्प न्यूज ब्यूरो बिजनौर शेर खान

नजीबाबाद। थाना मंडावली प्रकरण ने अब तूल पकड़ लिया है। जनपद बिजनौर के पत्रकार सोमवार को एकजुट होकर सड़क पर उतर आए और उपजिलाधिकारी (एसडीएम) नजीबाबाद तथा क्षेत्राधिकारी (सीओ) नजीबाबाद को पुलिस अधीक्षक बिजनौर के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक मंडावली के तत्काल स्थानांतरण और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। पत्रकारों का आरोप है कि पत्रकार मुस्तकीम अहमद के साथ कथित अभद्र व्यवहार तथा हवालात में डालने की धमकी की घटना ने पत्रकार समाज में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। ज्ञापन में कहा गया कि यदि इस मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो इससे पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्र कार्यशैली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। ज्ञापन के माध्यम से पत्रकारों ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अगले 48 घंटे के भीतर थाना प्रभारी मंडावली के स्थानांतरण सहित प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई, तो जनपद बिजनौर के पत्रकार लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से धरना-प्रदर्शन और व्यापक आंदोलन शुरू करने को विवश होंगे। इसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। पत्रकारों ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के सम्मान से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। निष्पक्ष पत्रकारिता करने वालों का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। इस दौरान जकी मलिक, अवधेश शर्मा, विपिन ठाकुर, सरफराज अहमद, प्रमोद कुमार, अफजाल अंसारी, इकराम, सुनील कुमार, नासिर मंसूरी, शाहनवाज, शेर खान, महमूद रजा, शाकिर, अक्की, रणवीर निराला, सपना वर्मा, जैन साहब, सूरज, शहजाद मलिक, संदीप उपाध्याय, सोमपाल, ललित पाल, मुस्तकीम अहमद, दिलशाद अहमद, डॉ. मुसीफुल हक, रईस अहमद, देवेंद्र शर्मा, मोहम्मद नाजिर सहित जनपद के अनेक पत्रकार मौजूद रहे।

महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सजा मारवाड़ी युवा मंच गंगा शाखा का भव्य राजस्थानी मेला

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। मारवाड़ी युवा मंच गंगा शाखा की ओर से महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित भव्य राजस्थानी मेला उत्साह और उल्लास के बीच संपन्न हुआ। मेले में बड़ी संख्या में शहरवासियों ने पहुंचकर राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, पारंपरिक हस्तशिल्प, आकर्षक परिधान, आभूषण, होम डेकोर, उपहार सामग्री और राजस्थानी व्यंजनों का आनंद लिया। मुख्य अतिथि प्रिंस जायसवाल एवं पूजा जायसवाल रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में दीपक बजाज, शकुंतला प्रसाद और श्याम सुंदर प्रसाद उपस्थित रहे। अतिथियों ने मेले का अवलोकन कर महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने की इस पहल की सराहना की। मेले में करीब 70 स्टॉल लगाए गए थे। इनमें काशी चौखट सिल्क की स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जहां संचालिका वसुधा अग्रवाल द्वारा साड़ियां, सूट, बेडशीट, लहंगे सहित वस्त्रों की विविध श्रृंखला प्रदर्शित की गई। वहीं पिक ए बुक की स्टॉल पर संचालिकाएं दीप्ति और राधिका ने यूएसए से आयातित पुस्तकों, बच्चों की ड्राइंग एवं पेंटिंग बुक्स सहित विभिन्न श्रेणियों की पुस्तकों का संग्रह प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, बच्चों की मनोरंजक गतिविधियां, लकी ड्रॉ और पुरस्कार वितरण समारोह मेले के प्रमुख आकर्षण रहे। पूरे दिन खरीदारी और सांस्कृतिक आयोजनों के चलते परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। आयोजन में रोटरी क्लब, भारत विकास परिषद सहित कई सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। मेले की सफलता में शाखा अध्यक्ष विनीता प्रसाद, सचिव सिल्की अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुषमा अग्रवाल, संयोजक नीतू मुरारका, स्मिता लोहिया, बबिता अग्रवाल और मनीषा अग्रवाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विशेष रूप से स्मिता लोहिया के मार्गदर्शन और सक्रिय सहयोग की सभी ने सराहना की। कार्यक्रम का संचालन रूपा केड़िया ने किया। आयोजन को सफल बनाने में उपाध्यक्ष क्षमा अग्रवाल, प्रचार मंत्री अंशु अग्रवाल, सह-सचिव मीनू पोद्दार, सांस्कृतिक मंत्री अल्का पोद्दार तथा कार्यकारिणी सदस्य अनिता अग्रवाल, मीना अग्रवाल, मेधा यादुका, मिली डिडवानिया, नीतू नवलगढ़िया, पिंकी अग्रवाल, राधा अग्रवाल, संध्या अग्रवाल, डॉ. शीलू गोयल, श्रेया तुलस्यान, वैशाली अग्रवाल और बंदना रतेरिया ने सक्रिय योगदान दिया। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, प्रदर्शकों, सहयोगी संस्थाओं, मीडिया प्रतिनिधियों और आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पारिवारिक व समाजिक संबंधो पर संगोष्ठी संपन्न

❑ सिमटता परिवार, निपटते रिश्ते,सिसकता अकेले

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। परिवारिक व सामाजिक संबंधो का वर्तमान स्वरूप पर आयोजित संगोष्ठी का आयोजन अवध फाउण्डेशन संस्था के प्रांगण मे हुआ। मुख्य अतिथि राम कथा वाचक धीरेन्द्र वशिष्ठ का स्वागत करते हुए संस्था के अध्यक्ष सूरजदेव शुक्ल ने कहा कि वर्तमान परिवेश मे सतयुग से कलयुग तक पारिवारिक संबंधो का जो पतन हो रहा है उसे कैसे सुधारा जाये। सभी के लिए यह एक विचारणीय प्रश्न है। जिसके लिए संस्था समय समय पर सामाजिक, साहित्यिक आयोजन करती है। आज की संगोष्ठी भी ऐसे ही कार्यो के अनुपालन के लिए है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन करने के पश्चात भारत रत्न बीना मिश्रा के शिष्यो अराध्या मिश्रा, अद्वैत मिश्रा, साक्षी मिश्रा, रचित मिश्रा द्वारा के श्रीराम स्तुति व हनुमान चालीसा के पाठ से हुआ द्य रामप्रकाश त्रिपाठी के संचालन मे , डॉ काशीनाथ पांडेय ने कहा परिवार के बिना शिक्षा ,ज्ञान , विकास किसी बच्चे का नही हो सकता ।प्राचीन भारतीय संस्कृति सभी अपने कर्तव्य बताती थी लेकिन प्रदुषित पाश्चात्य संस्कृति अधिकार सिखा रही है जो पतन का कारण है। बीना मिश्रा ने रामायण के चरित्रो को काव्य मे ढालकर परिवार का महत्व बताया । बीरेन्द्र श्रीवास्तव ने समाज और देश की ईकाई परिवार को बताया। मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता के रूप में श्री लक्ष्मणपुरी पीठाधीश्वर महाराज श्री धीरेन्द्र वशिष्ठ फ्रपारिवारिक व सामाजिक संबंधों का वर्तमान स्वरूपफ्र विषय पर बोलते हुए कहा कि समाज मनुष्य को भ्रष्ट करता है मनुष्य अबोध बालक के रूपसमे जनम लेता है । जो स्वभाव से सरल और सीधा होता है। समाज में आने के बाद संपत्ति, लालच और ऊंच-नीच की भावना उसका स्वभाव परिवर्तित करके भ्रष्ट बना देती है। मनुष्य स्वतंत्र पैदा होता है, लेकिन हर जगह वह जंजीरों में जकड़ा हुआ है। शास्त्र भी कहता है कि धर्म न दूजा सत्य समाना ,आगम निगम वेद बखाना यह संगोष्ठी वर्तमान समय में बदलते पारिवारिक एवं सामाजिक मूल्यों, पारस्परिक संबंधों, संस्कारों तथा सामाजिक समरसता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित थी कार्यक्रम में शिक्षाविद्, समाजसेवी, बुद्धिजीवी, युवा एवं विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक काशी नाथ पाण्डेय,आर डी शुक्ला ,शिवकुमार पांडेय ,छठ कुमार शुक्ला, आर सी त्रिपाठी,जानकी शरण शुक्ला ,प्रणव दत्ता,प्रकाश चन्द्र शर्मा,राकेश तिवारी, केसर सिंह श्रीमती बीना मिश्रा ,राम दयाल शुक्ला, शिवकुमार पांडेय, जानकी शरण शुक्ला, टी एन शुक्ला,लक्ष्मी नारायण दीक्षित ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

नवविवाहिता ने लगाया दहेज उत्पीड़न का आरोप, ससुराल पक्ष पर मुकदमे की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी । बख्शी का तालाब क्षेत्र स्थित इटौंजा थाना क्षेत्र में एक नवविवाहिता ने अपने ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जान से मारने की कोशिश का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाना इटौंजा में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है और ससुराल पक्ष के चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता हिमांशी कश्यप पत्नी प्रदीप गौड़ मूल रूप से जनपद सीतापुर की रहने वाली हैं और वर्तमान में अपने पति के साथ इटौंजा क्षेत्र में रह रही थीं। पीड़िता ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसकी शादी करीब तीन माह पूर्व प्रदीप गौड़ के साथ हुई थी। विवाह के दौरान उसके पिता ने अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार दान-दहेज दिया था और बेटी को सुखी जीवन देने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी थी। पीड़िता का आरोप है कि शादी के शुरुआती एक-दो माह तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन इसके बाद सास सुनीता गौड़, ससुर श्रीराम गौड़, ननद प्रीति गौड़, राखी गौड़, जेठ संदीप कुमार गौड़, पति प्रदीप गौड़ और भांजा शिवा गौड़ द्वारा अतिरिक्त दहेज की मांग की जाने लगी। जब उसने और उसके मायके पक्ष ने अतिरिक्त दहेज देने में असमर्थता जताई तो उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। प्रार्थिनी के अनुसार, ससुराल पक्ष के लोग आए दिन उसके साथ गाली-गलौज करते थे और मामूली बातों पर मारपीट करते थे। कई बार उसे घर से निकालने और जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़िता का कहना है कि उसने परिवार बचाने की नीयत से काफी समय तक सब कुछ सहन किया, लेकिन ससुराल पक्ष का व्यवहार लगातार क्रूर होता चला गया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि 14 जून 2026 को दहेज की मांग को लेकर एक बार फिर विवाद हुआ। इस दौरान सभी आरोपियों ने एकजुट होकर उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि इसी दौरान उसे गंभीर रूप से घायल करने और जान से मारने की नीयत से गर्म प्रेस से उसके बाएं हाथ को जला दिया गया। घटना के बाद वह किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से निकली और अपने परिजनों को पूरे मामले की जानकारी दी। घटना के बाद पीड़िता ने थाना इटौंजा पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई और आरोपियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जानलेवा हमला करने के आरोप में मुकदमा दर्ज करने की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने तत्काल जांच शुरू कर दी। सूत्रों के अनुसार, एसीपी के निर्देश पर ससुराल पक्ष के चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि जांच अभी प्रारंभिक चरण में है और सभी पहलुओं की जांच के बाद ही आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में इटौंजा पुलिस का कहना है कि पीड़िता का प्रार्थना पत्र प्राप्त हो गया है। मामले की जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस घटना के बाद क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं को लेकर लोगों में चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने किया बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सेक्टर-4 वृंदावन योजना शाखा का उद्घाटन

➢ बैंक अर्थव्यवस्था की वित्तीय रीढ़, बैंक ऑफ महाराष्ट्र का एनपीए मात्र 0.13 प्रतिशत सबसे कम- डॉ. राजेश्वर सिंह

➢ मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के पांच लाभार्थियों को सौंपे स्वीकृति पत्र, ग्रीन फाइनेंस को बढ़ावा देने की अपील

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने आज बैंक ऑफ महाराष्ट्र की सेक्टर-4, वृंदावन योजना शाखा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बैंक किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं और देश की समृद्धि का मार्ग बैंकिंग व्यवस्था से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि लोगों की बचत को निवेश में परिवर्तित कर बैंक उद्योगों और उद्यमों तक पूंजी पहुँचाते हैं, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होते हैं और आर्थिक विकास को गति मिलती है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि वर्ष 1935 में स्थापित बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने लगभग 90 वर्षों की अपनी गौरवशाली यात्रा में उत्कृष्ट कार्यप्रणाली, पारदर्शिता और जनविश्वास के आधार पर देशभर में विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1969 में राष्ट्रीयकरण के बाद भी बैंक ने निरंतर प्रगति की नई ऊँचाइयों को प्राप्त किया है।

उन्होंने बैंक की जिम्मेदार ऋण वितरण व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बैंक ऑफ महाराष्ट्र का एनपीए (एनपीए) मात्र 0.13 प्रतिशत है, जो देश में सबसे कम है। उन्होंने कहा कि यह बैंक की सुदृढ़ ऋण स्वीकृति, प्रभावी मॉनिटरिंग और बेहतर रिकवरी प्रणाली का प्रमाण है तथा इसके लिए पूरी बैंक टीम बधाई की पात्र है। अपने अनुभव साझा करते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि पर्यटन निदेशालय में कार्यकाल के दौरान उन्हें बैंकिंग प्रणाली को निकट से समझने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि बैंक बड़े उद्योगों और उद्यमों को वित्तीय सहायता देकर राष्ट्र निर्माण और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बैंक ऑफ महाराष्ट्र के लगभग 6.5 लाख करोड़ रुपये के व्यवसाय को उसकी क्षमता और विश्वसनीयता का प्रतीक बताया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत गोविंद सिंह, दीवाकर पांडे, अजय कुमार मौर्य, ममता यादव एवं रिद्धि पाण्डेय को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। डॉ. राजेश्वर सिंह ने सभी लाभार्थियों को आत्मनिर्भर एवं सफल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में बैंकों की सक्रिय भागीदारी पर बल देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। बढ़ता तापमान, गिरता भूजल स्तर और प्रदूषण भविष्य के लिए गंभीर चुनौती हैं। ऐसे में बैंकों को ग्रीन फाइनेंस के माध्यम से ग्रीन एनर्जी, सौर ऊर्जा तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसी सतत विकास परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने शाखा प्रबंधक से इस दिशा में विशेष पहल करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में पूर्व राज्य मंत्री वीरेंद्र तिवारी, जोनल मैनेजर अमित गोयल, डिप्टी जोनल मैनेजर संजू कुमारी, शाखा प्रबंधक माधवी मिश्रा सहित बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त मंडल अध्यक्ष राजन मिश्रा, पार्षद मनोज रावत, पार्षद संजीव अवस्थी, आमोद कुमार, विनय मिश्रा, शेर अली, सेक्टर संयोजक आराधना पाण्डेय, निर्मल सिंह, शैलेंद्र सिंह सहित अनेक गणमान्यजन भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. राजेश्वर सिंह ने नई शाखा के आधुनिक स्वरूप एवं बैंक स्टाफ की कार्यशैली की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह शाखा सरोजनीनगर में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार, वित्तीय समावेशन, स्वरोजगार और क्षेत्रीय विकास को नई गति प्रदान करेगी। उन्होंने बैंक ऑफ महाराष्ट्र के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

'सुंदर कांड' तो शुरुआत, 'लंका कांड' से हिलेगी भाजपा की नींव- संजय सिंह

➩ राम मंदिर चंदा चोरी के मुद्दे पर भाजपा पर बोला हमला, कहा- धर्म पर एकाधिकार नहीं चलेगा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल और पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे सुंदर कांड पाठ से भाजपा पूरी तरह बौखला गई है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा हिंदू धर्म पर अपना एकाधिकार समझती है और अब लोगों के पूजा-पाठ पर भी पहरा लगाना चाहती है। राम मंदिर निर्माण में कथित चंदा चोरी का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि 'सुंदर कांड' तो अभी शुरुआत है, आने वाले 'लंका कांड' से भाजपा की नींव हिल जाएगी। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा के नेताओं को अभी से परेशान होने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह केवल शुरुआत है। उन्होंने कहा कि अभी तो केवल सुंदर कांड का पाठ हुआ है, लेकिन जब 'लंका कांड' शुरू होगा तो भाजपा की वास्तविक स्थिति सामने आ जाएगी। उन्होंने भाजपा नेताओं को धर्म के नाम पर नफरत फैलाना बंद करने और जनता की आस्था का सम्मान करने की नसीहत दी। उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार के विरोध में प्रधानमंत्री के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान भी तेजी से चलाया जा रहा है। संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अरविंद केजरीवाल के साथ मिलकर सुंदर कांड का पाठ किया, जिसे देखकर भाजपा के केंद्रीय मंत्री और प्रवक्ता सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने लगे। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर सुंदर कांड का पाठ करने से भाजपा को इतनी परेशानी क्यों हो रही है। संजय सिंह ने तंज कसते हुए कहा कि यदि यही स्थिति रही तो देश के करोड़ों हिंदुओं को अपने घर में पूजा-पाठ, रामायण या गीता पढ़ने के लिए भी भाजपा से अनुमति लेनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा खुद को हिंदू धर्म का ठेकेदार मान बैठी है और यह तय करना चाहती है कि कौन क्या पढ़े और कैसे पूजा करे। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा को हिंदू धर्म का टेंडर्स आखिर किसने दिया है। राम मंदिर निर्माण में कथित वित्तीय अनियमितताओं का आरोप दोहराते हुए संजय सिंह ने कहा कि जब प्रभु श्रीराम के मंदिर के नाम पर करोड़ों रुपये के कथित घोटाले और चंदा चोरी का मामला सामने आया, तब भाजपा मौन रही। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने सुंदर कांड का पाठ बजरंग बली का आशीर्वाद लेने और कथित चंदा चोरों के खिलाफ कार्रवाई की प्रार्थना के उद्देश्य से किया।

वाहेगुरु जी की कृपा से लखनऊ में पाली दी हट्टी का भव्य शुभारंभ, संगत की सेवा का लिया संकल्प

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। याहियागंज गुरुद्वारा के निकट सिख धार्मिक एवं आध्यात्मिक सामग्री की नई दुकान पाली दी हट्टी का शुभारंभ श्रद्धा, उत्साह और धार्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ। उद्घाटन अवसर पर बड़ी संख्या में संगत, शुभचिंतकों एवं स्थानीय नागरिकों ने उपस्थित होकर परिवार को शुभकामनाएँ एवं आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अरदास के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित संगत ने परिवार को नई शुरुआत के लिए बधाई दी। इस अवसर पर पाली दी हट्टी परिवार ने सभी आगंतुकों का हृदय से स्वागत करते हुए विश्वास दिलाया कि यहाँ सिख धर्म से जुड़ी सभी आवश्यक एवं गुणवत्तापूर्ण धार्मिक सामग्री उचित मूल्य पर उपलब्ध कराई जाएगी। दुकान में विभिन्न डिज़ाइन एवं वैरायटी की पगड़ियाँ, गुटका साहिब, रुमाला साहिब, कड़े, विभिन्न आकारों एवं डिज़ाइनों की किरपान, मूंछ मरोड़, शोपीस, ताफ्ट, स्विफ्ट सिमैक्स सहित सिख धर्म से संबंधित अनेक धार्मिक एवं उपहार सामग्री उपलब्ध है। समारोह के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए सुरेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि यह प्रतिष्ठान केवल व्यवसाय का माध्यम नहीं, बल्कि संगत की सेवा और धार्मिक परंपराओं के संरक्षण का एक विनम्र प्रयास है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राहक को सर्वोत्तम गुणवत्ता की सामग्री उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता रहेगी। गुरप्रीत कौर ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगत का प्रेम और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने सभी से परिवार सहित दुकान पर पधारने का आग्रह किया। खुशप्रीत सिंह ने कहा कि नई सोच, बेहतर गुणवत्ता और उत्कृष्ट सेवा के साथ ग्राहकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरना उनका संकल्प है। जसमीत कौर ने कहा कि प्रत्येक ग्राहक की संतुष्टि ही उनकी सफलता का आधार होगी और पाली दी हट्टी परिवार सभी का आत्मीय स्वागत करता है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित संगत ने नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएँ दीं तथा परिवार के उज्वल भविष्य की कामना की।

बसपा को उन्नाव में झटका- पूर्व विधायक नत्थू सिंह के पुत्र जयविंद सैकड़ों समर्थकों संग कांग्रेस में शामिल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को उन्नाव में उस समय बड़ा झटका लगा, जब भगवंत नगर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक एवं पूर्व राज्यमंत्री स्व. नत्थू सिंह के पुत्र जयविंद ने सोमवार को अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस का दामन थाम लिया। सीतापुर से सांसद राकेश राठौर के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचे जयविंद और उनके समर्थकों को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस के ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा ने किया। इस अवसर पर अजय राय ने कहा कि प्रदेशभर से नए लोगों के कांग्रेस में शामिल होने से संगठन लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि जयविंद और उनके सहयोगी उन्नाव में पार्टी को नई मजबूती देंगे। भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राम के नाम पर राजनीति करने वाली भाजपा ने अयोध्या में चंदा, भूमि खरीद और मंदिर चढ़ावे तक में भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि इससे आम जनता को नुकसान हो रहा है, जबकि कुछ लोगों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने के बाद जयविंद ने कहा कि उन्होंने संविधान, लोकतंत्र और कांग्रेस की विचारधारा में विश्वास रखते हुए पार्टी में शामिल होने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश में संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में अजय राय जनता की आवाज बनकर हर पीड़ित के साथ खड़े दिखाई देते हैं। उन्होंने कांग्रेस के प्रति आजीवन समर्पित रहकर जनता की सेवा करने का संकल्प व्यक्त किया। इस मौके पर सांसद राकेश राठौर ने भी नए कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए दावा किया कि प्रदेशभर में बढ़ते जनसमर्थन के बल पर 2027 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस मजबूत विकल्प बनकर उभरेगी। कार्यक्रम में उन्नाव के पूर्व जिलाध्यक्ष सुभाष सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। स्वामी मुकुंदानन्द गिरी महाराज ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय से की शिष्टाचार भेंट प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सोमवार को बद्रीनाथ ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज के शिष्य स्वामी मुकुंदानन्द गिरी जी महाराज ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर अजय राय ने स्वामी मुकुंदानन्द गिरी जी का स्वागत करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। दोनों के बीच वर्तमान समय के धार्मिक एवं सामाजिक विषयों पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में विचार-विमर्श हुआ। मुलाकात के दौरान समाज में सद्भाव, नैतिक मूल्यों और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

समाचार

भक्ति संगीत की मधुर स्वर लहरियों से सराबोर हुई लखनऊ की शाम, भजन जैमिंग में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आध्यात्मिक संगीत और भक्ति भाव से ओत-प्रोत भजन जैमिंग - लखनऊ एडिशन का भव्य आयोजन रविवार को लखनऊ स्थित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शहर के संगीत प्रेमियों एवं श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर भजनों की मधुर प्रस्तुतियों का आनंद लिया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान के स्मरण एवं मंगलाचरण से हुई। इसके बाद पुलकित श्रीवास्तव और अन्य कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत एवं भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर पूरे सभागार को भक्तिमय वातावरण में सराबोर कर दिया। दर्शक देर तक भक्ति संगीत की धुनों पर झूमते रहे और कलाकारों का तालियों की गड़गड़ाहट से उत्साहवर्धन करते रहे। आयोजकों ने बताया कि भजन जैमिंग का उद्देश्य युवाओं एवं समाज के सभी वर्गों को भक्ति संगीत के माध्यम से जोड़ना तथा भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। कार्यक्रम में संगीत, भक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी कलाकारों, सहयोगियों एवं उपस्थित दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया। यह आयोजन संगीत, श्रद्धा और सामूहिक सहभागिता का एक यादगार उत्सव बन गया।

यूपी पुलिस की 69वीं वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रतियोगिता का शुभारंभ

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस की 69वीं वार्षिक वैज्ञानिक अनुसंधान, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, कम्प्यूटर, डॉग स्क्वाड एवं एंटी सेबोटाज चेक प्रतियोगिता-2026 का शुभारंभ किया गया। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 12 पुलिस जोन से करीब 135 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी अपनी तकनीकी एवं वैज्ञानिक दक्षता का प्रदर्शन करेंगे। रिजर्व पुलिस लाइन्स, लखनऊ में आयोजित प्रतियोगिता का उद्घाटन संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार, आईपीएस ने किया। प्रतियोगिता 13 से 16 जुलाई तक चलेगी, जिसमें फॉरेंसिक साइंस, कम्प्यूटर, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, डॉग स्क्वाड और एंटी सेबोटाज चेक जैसी विभिन्न विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। पहले दिन फॉरेंसिक साइंस की लिखित परीक्षा और घटना स्थल निरीक्षण प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस अवसर पर अपर्णा कुमार ने कहा कि आधुनिक पुलिसिंग को तकनीक आधारित और सक्रिय बनाने के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान व तकनीकी दक्षता बेहद जरूरी है। प्रतियोगिता का उद्देश्य पुलिस बल में वैज्ञानिक सोच, पेशेवर उत्कृष्टता और अपराधों की वैज्ञानिक विवेचना को और मजबूत करना है।

बिस्कुट-नमकीन दुकान में लगी आग, दमकल ने एक घंटे में पाया काबू

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। चौक थाना क्षेत्र के अकबरी गेट स्थित अहमद हुसैन अपार्टमेंट में बिस्कुट-नमकीन की दुकान में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। दमकल की चार गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। सोमवार शाम करीब 5:46 बजे चौक थाना क्षेत्र के अकबरी गेट स्थित अहमद हुसैन अपार्टमेंट में बिस्कुट-नमकीन की दुकान में आग लग गई। सूचना मिलते ही चौक फायर स्टेशन से चार दमकल वाहन मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने एक तरफ से होज लाइन बिछाकर और दूसरी ओर से बीए सेट पहनकर अंदर प्रवेश करते हुए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। आग अतीक पुत्र अब्दुल लतीफ की दुकान में लगी थी। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

जल संरक्षण में देश में यूपी अव्वल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने जल संरक्षण के क्षेत्र में ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है, जिसने पूरे देश के लिए एक नया मॉडल तैयार कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर रिकॉर्ड 20 हजार अमृत सरोवर बनाए जा चुके हैं और पिछले पांच वर्षों में करीब पौने दो लाख तालाबों का निर्माण व जीर्णोद्धार किया गया है। अमृत सरोवरों के निर्माण में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है और पूरे देश के कुल अमृत सरोवरों में 27 प्रतिशत हिस्सेदारी अकेले उत्तर प्रदेश की है।पिछले पांच वित्तीय वर्षों में जल संबंधी कार्यों पर 16 हजार करोड़ रुपए से अधिक का काम किया गया, जिससे प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर बदल रही है। जल संरक्षण की इस व्यापक मुहिम का असर अब खेती, भूजल स्तर, पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर साफ दिखाई देने लगा है।जल संरक्षण बढ़ाने के लिए पहले मनरेगा के तहत कुल 266 अनुमन्य कार्यों में से 78 कार्य जल संरक्षण से संबंधित रहे। अब वीबी-जीराम-जी के तहत कुल 318 अनुमन्य कार्य हैं, जिनमें से 107 कार्य जल सुरक्षा एवं जल संरक्षण से संबंधित हैं। इनमें चेक डैम का निर्माण, सोक पिट का निर्माण, रुफ टॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर, तालाब का निर्माण, जलाशयों का पुनरोद्धार, बांधों का निर्माण, मेड़बन्दी, पौधारोपण शामिल हैं।जल संरक्षण के मामले में उत्तर प्रदेश ने अन्य राज्यों को काफी पीछे छोड़ दिया है। अमृत सरोवरों के निर्माण में दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश है, जिसकी तुलना में उत्तर प्रदेश लगभग तीन गुना आगे है। यह उपलब्धि केवल सरकारी निर्माण कार्य तक सीमित नहीं है

केजीएमयू के 22वें दीक्षांत समारोह में 1707 विद्यार्थियों को उपाधि, सेवा-भाव का दिया संदेश

● 54 पदक, 400 आंगनबाड़ी किटें वितरित, 200 बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरणय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल रहे मौजूद

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) का 22वां दीक्षांत समारोह सोमवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। समारोह में 1707 विद्यार्थियों को विभिन्न उपाधियां प्रदान की गईं, जबकि शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए 20 विद्यार्थियों को कुल 54 पदकों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हरदोई के 400 आंगनबाड़ी केंद्रों को किटें वितरित की गईं तथा पुलिसकर्मियों की बेटियों सहित 200 बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण भी किया गया। मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि चिकित्सकों के हाथों में केवल डिग्री नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा और सेवा का दायित्व होता है। उन्होंने कहा कि मरीज बीमारी के समय ईश्वर और परिवार के बाद सबसे अधिक भरोसा डॉक्टर पर करता है, इसलिए चिकित्सा सेवा-भाव, संवेदनशीलता और मानवीय व्यवहार का सर्वोच्च पेशा है। उन्होंने युवा चिकित्सकों से अनुसंधान, योग, ध्यान और अंगदान के प्रति समाज को जागरूक करने का आह्वान किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि चिकित्सा केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और समर्पण का सर्वोच्च माध्यम है। उन्होंने कहा कि चिकित्सक के व्यवहार और विश्वास से भरे शब्द कई बार दवा से अधिक प्रभावी सिद्ध होते हैं। उन्होंने युवा चिकित्सकों से निरंतर अध्ययन, अनुसंधान और नवाचार अपनाने तथा कम से कम तीन वर्ष ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा देने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को सभी डिग्रियां और अंकपत्र डिजिलॉकर पर उपलब्ध कराने के साथ विद्यार्थियों को इसके उपयोग के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने बताया कि प्रदेश में सीएसआर के सहयोग से 64,743 आंगनबाड़ी केंद्रों को सुविधासंपन्न बनाया जा चुका है तथा अब तक 1.62 लाख से अधिक एचपीवी वैक्सीन की डोज दी जा चुकी हैं। उन्होंने केजीएमयू को नैक में ए ग्रेड, एनआईआरएफ रैंकिंग में मेडिकल श्रेणी में आठवां तथा डेंटल श्रेणी में सातवां स्थान मिलने पर बधाई दी। साथ ही परिसर में स्वच्छता, सुरक्षा, छात्रावास सुविधाओं, पौष्टिक भोजन, स्ट्रेचर व्यवस्था और निर्माणाधीन भवनों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। समारोह में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने चिकित्सा शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की सराहना करते हुए चिकित्सकों से मरीज को भगवान का स्वरूप मानकर सेवा करने का आह्वान किया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने केजीएमयू की विकास यात्रा और स्वास्थ्य सेवाओं में उसके योगदान का उल्लेख किया। कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धियां प्रस्तुत कीं। समारोह में उत्कृष्ट शिक्षकों को फैकल्टी अवॉर्ड, एचपीवी टीकाकरण अभियान से जुड़े अधिकारियों को प्रशस्ति-पत्र तथा गोद लिए गए गांवों के विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया।

25 दिवसीय सांस्कृतिक कार्यशाला के समापन पर भव्य संस्कृति उत्सव आयोजित।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आरोही वेलफेयर फाउंडेशन, लखनऊ के तत्वावधान में उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संस्थान के ऑडिटोरियम में

आयोजित 25 दिवसीय पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यशाला का समापन भव्य सांस्कृतिक उत्सव के साथ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रवलन से हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में हरीश चंद्र पंत, दीवान सिंह अधिकारी, वरिष्ठ ग़ज़ल गायक मिथलेश लखनवी, डॉ. सुधा बाजपेई (प्रचार्या सीबी गुप्ता बीएसएस पीजी कॉलेज) और महेश प्रसाद (सेवानिवृत प्रशासनिक अधिकारी जल एवं सिंचाई विभाग) उपस्थित रहे। संस्था की अध्यक्ष शिप्रा चंद्र और मोना चंद्र ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। श्रीगणेश की वंदना के बाद 25 दिवसीय कार्यशाला के प्रशिक्षुओं ने भारतीय लोक संस्कृति के रंगों को मंच पर जीवंत किया। प्रतिभागी अनुष्का वर्मा ने पहाड़ी, राजस्थानी, बुंदेली और बधावा लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। लोकगायिका शिप्रा चंद्र ने बनारसी, मिर्जापुरी, अवधी और कजरी लोकगीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आरती, लविता, जय प्रकाश, अजय पासवान, मंजुल रायजादा, उपमा पांडे, कमलेश पाठक और मिथलेश लखनवी ने भी लोकगीत प्रस्तुत किए। संगीत में कीबोर्ड पर सोनू, ढोलक पर विकास कुमार और ऑक्टोपैड पर सुनील ने साथ दिया। कार्यक्रम का संचालन विजय गुप्ता ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ रंगकर्मी एवं अभिनेता प्रकाश बाजपेई को गुलाबो सिताबो, रेड और कागज जैसी फिल्मों में अभिनय और भारतीय रंगमंच व लोककला में योगदान के लिए आरोही वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथियों ने कहा कि भारतीय लोककला हमारी अमूल्य धरोहर है। ऐसी कार्यशालाएँ नई पीढ़ी को जड़ों से जोड़ने और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कला प्रेमी, गणमान्य नागरिक, कलाकार और प्रशिक्षु उपस्थित रहे। अंत में संस्था की ओर से सभी अतिथियों, कलाकारों, प्रशिक्षकों और संस्कृति मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

अग्निशमन ऑडिट के नाम पर भवन सील कार्रवाई का व्यापारियों ने किया विरोध, एलडीए के अपर सचिव को दिया 17 सूत्रीय ज्ञापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ । अग्निशमन ऑडिट के नाम पर भवन सील करने की कार्रवाई का उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल ने विरोध जताया। संगठन के नगर अध्यक्ष अमरनाथ अग्रवाल एवं महामंत्री योगेन्द्र सिंह के नेतृत्व में व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मंडल सोमवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष को में ज्ञापन देने पहुंचा। व्यापारियों को प्राधिकरण उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के कार्यालय में बताया गया कि उपाध्यक्ष अभ वर्चुअल बैठक में व्यस्त हैं, इसलिए ज्ञापन प्राधिकरण के सचिव विवेक श्रीवास्तव द्वारा लिया जाएगा। व्यापारी सचिव कार्यालय पहुंचे, लेकिन कुछ समय प्रतीक्षा के बाद उन्हें जानकारी दी गई कि सचिव किसी मीटिंग में शामिल होने के लिए चले गए हैं। इस पर व्यापारियों ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की उपाध्यक्ष के कार्यालय के बाहर व्यापारी एकता जिंदाबाद, व्यापार मंडल जिंदाबाद के नारे लगाने लगे, नारो की गूंज को देखते हुए प्राधिकरण के अधिकारियों एवं चौकी प्रभारी नवाब अली ने पुलिस बल के साथ पहुंचकर व्यापारियों को शांत कराया। अधिकारियों ने बताया कि कानपुर-लखनऊ एलिवेटेड रोड के उद्घाटन कार्यक्रम के कारण सचिव को तत्काल जाना पड़ा है तथा का ज्ञापन अपर सचिव ज्ञानेन्द्र कुमार प्राप्त करेंगे। इसके बाद अपर सचिव ज्ञानेन्द्र कुमार ने 17 सूत्रीय ज्ञापन लिया, तथा अपने आफिस में 7 सदस्यों के साथ मीटिंग करके सभी बिन्दुओ को विस्तृत वार्ता कर व्यापारियों की समस्याओं को बिंदुवार सुना। अध्यक्ष अमरनाथ अग्रवाल एवं महामंत्री योगेन्द्र सिंह ने कहा कि किसी भी दैवीय अथवा आकस्मिक दुर्घटना के बाद हमेशा व्यापारियों को निशाना बनाना उचित नहीं है। उन्होंने मांग किया कि एलडीए समय-समय पर सार्वजनिक विज्ञापनों एवं स्पष्ट दिशा-निर्देशों के माध्यम से आवासीय एवं व्यावसायिक भवनों की परिभाषा तथा उनके उपयोग संबंधी नियमों को सरल एवं स्पष्ट रूप से जारी करे, ताकि व्यापारियों और प्राधिकरण के बीच टकराव की स्थिति न बने। वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंद अग्रवाल एवं चेयरमैन सुमेर अग्रवाल ने कहा कि यदि डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, अधिवक्ता, जिम, लाइब्रेरी, कोचिंग संस्थान, बीमा एजेंट, ब्रोकर एवं अन्य सेवा प्रदाताओं को केवल व्यावसायिक भवनों में ही सेवाएं संचालित करने की अनुमति है, तो प्राधिकरण यह भी स्पष्ट करे कि शहर में प्रतिवर्ष कितने अधिकृत व्यावसायिक भवन विकसित किए गए हैं और उनकी उपलब्धता क्या है। व्यापारियों ने 17 सूत्रीय ज्ञापन के माध्यम से अग्निशमन ऑडिट एवं सीलिंग की कार्रवाई के संबंध में व्यावहारिक एवं व्यापारी हितैषी नीति लागू करने, नियमों को स्पष्ट करने तथा प्रभावित व्यापारियों को राहत प्रदान करने की मांग किया। अपर सचिव ज्ञानेन्द्र कुमार ने प्रतिनिधि मण्डल को आश्वस्त किया कि ज्ञापन में दिए गए सभी सुझावों एवं मांगों पर सकारात्मक एवं नियमानुसार विचार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

गोमती नदी में मिला अज्ञात युवक का शव, पहचान में जुटी पुलिस

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। चौक थाना क्षेत्र में पक्का पुल के नीचे गोमती नदी से सोमवार को एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र लगभग 35 वर्ष, रंग गोरा, लंबाई करीब 5 फीट 7 इंच, सिर मुंडा हुआ तथा हल्की दाढ़ी है। उसने काले-सफेद चेकदार फुल स्लीव शर्ट और लोअर पहन रखा था। फिलहाल पुलिस शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मौत के कारणों की जांच कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी

संपादकीय

चुनौतियों के बीच निर्यात बढ़ाता भारत

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्राओं के दौरान इन तीनों देशों के साथ हुई व्यापारिक वार्ताओं से निर्यात के नए अध्यायों की संभावनाएं आगे बढ़ी हैं। 6 से 8 जुलाई को इंडोनेशिया यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुबियांतो के साथ प्रभावी व्यापार वार्ता की। दोनों देशों ने आपसी व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जताई। भारत के डिजिटल भुगतान तंत्र और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं को इंडोनेशियाई बाजार में विस्तार देने पर बातचीत हुई। भारतीय जेनेरिक दवाओं के इंडोनेशिया में निर्यात को बढ़ाने के लिए नियामकीय बाधाओं को दूर करने पर समझौता हुआ। भारतीय कृषि उत्पादों और कृषि तकनीक के निर्यात के लिए नए रास्ते खोले गए। आस्ट्रेलिया में 8 से 10 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी के बीच मुख्य रूप से आर्थिक और व्यापारिक हितों पर चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार को पूरी तरह लागू करने के लिए इस समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की समयसीमा तय की गई। भारत के इलेक्ट्रॉनिक और घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को मजबूती देने के लिए ऑस्ट्रेलिया से लिथियम जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की निर्बाध आपूर्ति पर समझौता हुआ। परमाणु और हरित ऊर्जा के साथ-साथ भारत के कपड़ा, चमड़ा, आभूषण और इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात पर सकारात्मक बातचीत हुई। प्रधानमंत्री मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा 10 से 11 जुलाई तक हुई। इस दौरान ऐतिहासिक व्यापारिक वार्ता हुई। 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली यात्रा थी, जिसका मुख्य एजेंडा व्यापारिक गतिरोधों को तोडना था। दोनों देशों ने आगामी वर्षों के लिए व्यापार का एक स्पष्ट खाका तैयार किया। दोनों देशों के बीच व्यापार में आने वाली बाधाओं (टैरिफ और गैर-टैरिफ) को हटाने पर गंभीर चर्चा हुई। सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को आसान बनाने पर सहमति बनी ताकि भारत की सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं, दवाओं और प्रसंस्कृत खाद्य (कृषि उत्पादों) का न्यूजीलैंड में निर्यात तुरंत बढ़ाया जा सके। गौरतलब है कि इस समय जब वैश्विक निर्यात की वृद्धि दर में कमी आते हुए दिखाई दे रही है, तब भारत निर्यात बढ़ाने के साथ इस वर्ष निर्यात के ऊंचे लक्ष्य को प्राप्त करने की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही में वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बोर्ड ऑफ ट्रेड की बैठक में सभी राज्यों के औद्योगिक संगठनों से कहा कि सरकार के द्वारा निर्यात की राह को आसान बनाया जा रहा है और भारत दुनिया के विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि भारत ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कुल एक लाख करोड़ डॉलर (एक ट्रिलियन डॉलर) के निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। चालू वित्त वर्ष में वस्तु निर्यात का लक्ष्य लगभग 530 अरब डॉलर (16-17 प्रतिशत वृद्धि) और सेवा निर्यात का लक्ष्य लगभग 470 अरब डॉलर (11-12 प्रतिशत वृद्धि) अनुमानित है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कुल निर्यात 863 अरब डॉलर था। यह बात महत्वपूर्ण है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में वस्तु निर्यात में 15 प्रतिशत और सेवा निर्यात में 11 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। इस समय सरकार के द्वारा जहां निर्यात बढ़ाने की रणनीति के तहत निर्यातकों को विभिन्न लाभ दिए जा रहे हैं, वहीं अब सरकार छोटे उद्योगों के अंतरराष्ट्रीय प्रमाणन का खर्च 'निर्यात संवर्धन मिशन' के तहत उठाएगी। सरकार के द्वारा सतत टेक्सटाइल, टेक्निकल टेक्सटाइल, परफॉर्मेंस टेक्सटाइल और मेडिकल टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में उभरते अवसरों को चिन्हित किया गया है। सरकार के द्वारा एफटीए के इस्तेमाल हेतु फ्रेमवर्क की निर्धारित नई रणनीति के तहत जिन क्षेत्रों में भारत पहले से ही उल्लेखनीय रूप से निर्यात कर रहा है, उन क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाना, तरजीह शुल्क मिले हुए सेक्टर में निर्यात का विविधीकरण करना, गैर शुल्क बाधाएं कम करना तथा आपूर्ति से जुड़ी कमियों को दूर करना शामिल हैं। पिछले माह भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) की समीक्षा के बाद कहा गया है कि यह समझौता 15 जुलाई से कार्यान्वित होगा। इससे भारत और ब्रिटेन दोनों लाभान्वित होंगे। खासतौर से भारत से निर्यात बढ़ेंगे एवं भारतीय पेशेवरों के लिए ब्रिटेन के बाजार में अवसर बढ़ेंगे। विगत 17 जून को फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में ट्रंप ने कहा कि अमरीका के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार समझौता जल्द आकार लेगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि जी-7 सम्मेलन के इतर प्रधानमंत्री मोदी के साथ यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने वार्ता के दौरान कहा कि यूरोपीय संघ के साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता जल्द ही कार्यान्वित होगा।

जहरीली विरासत

शासन-प्रशासन के तमाम दावों के बावजूद आज भी पंजाब की नदियों को जहरीला बनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसकी पुष्टि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के समक्ष पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की स्वीकृति है कि आज भी आठ सौ से अधिक प्रदूषण के स्रोत राज्य की नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं। निश्चय ही यह तथ्य उन विभागों व संस्थाओं के कामकाज पर सवालिया निशान है जो पर्यावरण संरक्षण के प्रबंधन से जुड़े हैं। साथ ही लंबे समय से अदालत के हस्तक्षेप व विभिन्न सर्वेक्षणों में सामने आए तथ्यों की पुष्टि होती है कि राज्य में जागरूकता की कमी नहीं है, बल्कि समय रहते प्रभावी कार्रवाई न होने से उपजा संकट है। वर्षों से सरकारें एक्शन प्लान बनाने के दावे करती रही हैं। कभी ट्रीटमेंट प्लांट बनाने की बात होती है तो कभी कमेटियां बनाने के दावे होते हैं। आखिर क्यों आज भी बिना साफ किया हुआ सीवेज और औद्योगिक कचरा सतलुज,ब्यास और इनकी सहायक नदियों में बदस्तूर बहाया जा रहा है। जाहिर है, मौजूदा संसाधनों का या तो पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है या उनका रखरखाव ठीक नहीं है। फलतः जन-स्वास्थ्य से जुड़ा एक बड़ा संकट पैदा होता है। जो धीरे-धीरे आपदा का रूप ले लेता है। आज फैक्ट्रियों से निकलने वाले रसायनों के जरिये भारी धातुएं और जहरीले तत्व भूजल को प्रदूषित करने के बाद, हमारी खाद्य श्रृंखला में शामिल हो रहे हैं। जो राज्य के बहुचर्चित ' कैंसर बेल्ट' के रूप में हमारे सामने मौजूद है। निस्संदेह, पंजाब में यदि हरित क्रांति का परचम लहराया तो उसके मूल में पंजाब की नदियों की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन आज वे तंत्र की काहिली, अनियोजित शहरीकरण, नियम-कानूनों का क्रियान्वयन न होने और दोषियों को सजा न मिलने का दंड चुका रही हैं। एनजीटी गाहे-बगाहे नगर निकायों की शिथिलता दर्शाकर सच्चाई से आम लोगों को अवगत कराता रहा है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण के प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते हैं जब तक कि इसकी जिम्मेदारी तय न की जाए और सख्त जुर्माना लगाना पर्यावरण संरक्षण नीति का हिस्सा नहीं बनता है। राज्य ने साबित किया है कि मरणासन्न नदियों को फिर से जीवित किया जा सकता है। काली बेंई को पुनर्जीवित करने में जागरूक लोगों की बड़ी भूमिका रही है। जो दर्शाता है कि पक्के इरादे के साथ किए गये प्रयास से बेहद बुरे हालात में पहुंच चुके जल स्रोत को भी जीवंत बनाया जा सकता है। लेकिन इक्का-दुक्का सफलताएं ही व्यापक रणनीति की जगह नहीं ले सकतीं। जरूरी है कि नियम-कानूनों का कड़ाई से पालन किया जाए, सार्वजनिक रिपोर्टिंग को पारदर्शी बनाएं तथा सीवेज एवं कचरा-शोधन प्रणालियों में निरंतर निवेश बढ़ाया जाए। सर्वविदित है कि पंजाब का नाम यहां की नदियों से पड़ा है। ऐसे में इन नदियों को खुले नाले बनते रहने देने से न केवल हमारा पारिस्थितिकीय तंत्र व लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है, बल्कि राज्य की खुशहाली व पहचान के लिये भी एक खतरा है। अब मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति दिखाने का वक्त है।

क्या है, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी कृत्रिम बुद्धि

हरजिंदर सिंह लाल्टू

> "आजकल हर कहीं एआई का बोलबाला है। आखिर यह क्या बला है? चेक नाटककार कारेल चापेक ने 1920 में एक नाटक लिखा था- आरयूआर (रोसुमोवी युनिवर्सालनी रोबोती)। इसका अर्थ है- रोसुमोव के सार्वभौमिक रोबोट। नाटक में रोसुमोव एक वैज्ञानिक हैं जिनकी कंपनी इंसान जैसी दिखने वाली रोबोट मशीनें बनाती है। रोबोट एक चेक शब्द है जिसका अर्थ होता है- बंधुआ मजदूर"

आजकल हर कहीं एआई का बोलबाला है। आखिर यह क्या बला है? चेक नाटककार कारेल चापेक ने 1920 में एक नाटक लिखा था– आरयूआर (रोसुमोवी युनिवर्सालनी रोबोती)। इसका अर्थ है– रोसुमोव के सार्वभौमिक रोबोट। नाटक में रोसुमोव एक वैज्ञानिक हैं जिनकी कंपनी इंसान जैसी दिखने वाली रोबोट मशीनें बनाती है। रोबोट एक चेक शब्द है जिसका अर्थ होता है– बंधुआ मजदूर। चापेक के नाटक के बाद से मशीनों में इंसान जैसी काबिलियत की चर्चाएं गाहे–बगाहे होती रही हैं। पिछली सदी के छठे दशक में ये चर्चाएं कल्पनालोक से निकलकर विज्ञान के दायरे में संजीदा सवाल बनकर तब सामने आईं, जब आधुनिक कंप्यूटर बनने लगे। इनमें सिलिकॉन टेक्नॉलॉजी से बने ट्रांजिस्टरों की मदद से तेजी से गणनाएं मुमकिन होने लगीं। जैसे–जैसे कंप्यूटर टेक्नॉलॉजी गणनाओं से इतर तमाम दूसरे क्षेत्रों में प्रभाव डालने लगी और सूचना यानी इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलॉजी का कारवां बढ़ा, श्एआईश् पर शोध भी तेजी से होने लगा। नई–नई मशीनें बनीं, खास तौर पर फिल्मों में इन्हें बढ़ा–चढ़ाकर दिखलाया गया। श्रोबोटश् लफ्ज घरेलू बातचीत का हिस्सा बन गया। मेडिकल रिसर्च में रोबोट का इस्तेमाल आम हो गया है और हर दिन किसी नई खोज का पता चलता है। इंसानी काबिलियत से कहीं आगे बढ़कर आंकड़ों से मानीखेज जानकारी ढूंढ निकालने का काम कंप्यूटर कई दशकों से कर ही रहे हैं, जिससे नई दवाइयां बनाने में बड़ी तरक्की हुई है। इनके साथ तबाही के हथियारों में भी श्एआईश् का इस्तेमाल हो रहा है और नए किस्म के कंप्यूटर से चलने वाले ड्रोन या लेजर–गन या मिसाइल आदि अब आम हथियारों में शामिल हो गए हैं, जिनके जरिए कोई मुल्क धरती पर कहीं भी कहर बरपा सकता है। जाहिर है, एआई का ताना–बाना पूरी तरह कंप्यूटर टेक्नॉलॉजी से जुड़ा है। कंप्यूटर तो आजकल हर कहीं हैय मोबाइल फोन से लेकर आर्थिक लेन–देन तक। लिहाजा एआई भी हर कहीं है। एआई का सबसे बुनियादी सवाल मशीन को इंसानी बुद्धि कैसे मिले नहीं है, बल्कि यह है कि इंसान या दूसरे जानवरों को कैसे एक मशीन की तरह समझा जा सके। कई बार बेजान लगती चीजें भी ऐसा कमाल कर जाती हैं, जिससे जिंदा होने का गुमान होता है। ऐसी चीजों को एजेंट (यानी अभिकर्ता) कहा जाता है। एजेंट किसे कहें, वे क्या कर सकते हैं, ये सवाल विज्ञान और टेक्नॉलॉजी के तो हैं ही, साथ ही गहन दार्शनिक भी हैं। एजेंट शब्द से इंसान की कल्पना होती है, पर एआई में एजेंट का मतलब ऐसा कुछ भी हो सकता है, जिससे कोई कार्रवाई शुरू हो जाए। मसलन वह रोबोट जैसी मशीन हो सकती है जो भौतिक स्तर पर अपने इर्द–गिर्द हरकत करती हो, या वह महज एक कंप्यूटर–प्रोग्राम हो सकता है, जो की बोर्ड पर बटन दबाकर लिखा गया हो या जिसे किसी और कंप्यूटर–प्रोग्राम के जरिए लिखा गया हो और जिसे सक्रिय कर कोई कार्रवाई शुरू हो सकती है। यानी एजेंट असली या आभासी दोनों हो सकते हैं। जाहिर है, असल और आभासी तय करना हमेशा आसान नहीं होता। यहीं पर चेतना के विज्ञान के साथ एआई की टक्कर होती है। दर्शन का एक चिरंतन सवाल है कि हम जो कुछ करते हैं, क्या वह अपनी मर्जी से करते हैं या कोई और हमसे करवाता है। हम जानते हैं कि सही–गलत हर तरह के खयाल हमारे मन में आते हैं, पर क्या करना है और क्या नहीं, यह फैसला हमारे हाथ में होता है। एक रोबोट ऐसा फैसला नहीं कर सकता। हालांकि ऐसे दावे किए गए हैं कि हाल के रोबोट में इस तरह के फैसले लेने की काबिलियत मुमकिन हो पाई है, पर ऐसे दावे अभी तक गलत ही साबित होते रहे हैं। इंसानों में भी एजेंटों जैसी फितरत पाई जाती है, लेकिन इसका एक पहलू और भी है। जैसे एक चींटी को समझना मुश्किल होता है, मजदूर चींटियों और रानी समेत पूरे चींटी समाज को देखने पर ही पता चलता है कि कतार में जा रही चींटियां आखिर क्या कर रही हैं। इसी तरह अकेले एक इंसान को जानकर हम सामाजिक, जातिगत या राष्ट्रवादी गतिविधियों को नहीं समझ सकते। समूह में एजेंट क्यों खास तरह की हरकतें करते हैं, इसको समझना भी एआई में चल रहे शोध का विषय है। आम तौर पर लोग एआई का मतलब महज तरह–तरह की रोबोट मशीनों को समझते हैं, जिनका अलग–अलग सेक्टर्स में इस्तेमाल हो रहा है। वैज्ञानिक इसे कमजोर या वीक एआई कहते हैं। कमजोर का मतलब है, जिन सवालों पर काम होता है, वे महज टेक्नॉलॉजी की तरक्की और बेहतरी के सवाल हैं। इसके बरक्स मजबूत या स्ट्रॉन्ग श्एआईश् चेतना के विज्ञान से जुड़ता है। यहां इंसान को मशीन की तरह सामने रखते हुए मशीन में इंसानी अकल और समझ कैसे लाई जाए, इस पर काम होता है। अकल और समझ के साथ चेतना, नैतिकता और तमाम जज्बात भी जुड़ते हैं। जाहिर है, ये बड़े मुश्किल सवाल हैंय इसीलिए इसे मजबूत एआई कहा जाता है। ऐसा नहीं है कि कमजोर श्एआईश् में इंसानी बुद्धि पर काम नहीं होता, पर वहां बुद्धि और समझ के किसी एक पक्ष को सैद्धांतिक रूप से समझकर कंप्यूटर प्रोग्राम के द्वारा उसे मशीन में डालने की कोशिश होती है। जैसे बगैर ड्राइवर के चलने वाली गाड़ियों में तरह–तरह के सेंसर लगे होते हैं, जो सड़क पर आ रहे अवरोधों को कंप्यूटर में दर्ज करते हैं, ताकि उनसे बचाव करने के तरीके अपनाए जा सकें, पर ये इंसानी बुद्धि के एक ही पक्ष यानी आवागमन और उसमें भी महज तकनीकी पक्ष पर काम करती मशीनें हैं।

बढ़ती ग़रीबी– पूंजीवाद, रोज़गार और इतिहास

(आलेख : प्रभात पटनायक, अंग्रेजी से अनुवाद : राजेंद्र शर्मा)

आज के समय में पूंजीवाद के रास्ते पर चलना अनिवार्य रूप से समग्रता में विश्व अर्थव्यवस्था में शुद्ध ग़रीबी को बढ़ाने का काम करता है। अठारहवीं सदी के उत्तरार्द्ध और उन्नीसवीं सदी के पूर्वार्द्ध में जब ब्रिटेन में औद्योगिक पूंजीवाद का विकास हो रहा था, मशीन से बने मालों ने बहुत से दस्तकार उत्पादकों की जगह छीन ली थी। इसने लुड्डाइट आंदोलन को जन्म दिया, जो मशीनें लाए जाने का विरोधी था। बेरोजगारी बढ़ने के साथ, गरीबी के सापेक्ष्य आकार में बढ़ोतरी हो गयी, जैसा कि एरिक हाब्सबाम ने एक अन्य इतिहासकार, आरएम हार्टवेल से एक बहस में तर्क दिया था। लेकिन, बाद में उन्नीसवीं सदी के दौरान हालात में सुधार हो गया। घोर गरीबी की मारी आबादी का अनुपात बढ़ना रुक गया और वास्तव में नीचे आ गया और ऐसा ही बेरोजगारी की मारी श्रम शक्ति के अनुपात के मामले में भी हुआ। ब्रिटेन के इस अनुभव का अक्सर पूंजीवाद की एक अंतर्निहित विशेषता के रूप में ही सामान्यीकरण कर दिया जाता है, कि हो सकता है कि शुरुआत में इससे गरीबी तथा बेरोजगारी बढ़े, लेकिन अंततः औद्योगिक पूंजीवाद उन्हें नीचे ले आता है और इससे सबके ही जीवन स्तर में आम सुधार होता है, फिर चाहे इसमें आय की असमानता शुरूआत के समय के मुकाबले बढ़ ही क्यों न जाती हो। यह धारणा कि पूंजीवाद के विकास से अंततः अनिवार्य रूप से रोजगार में सुधार आता है तथा गरीबी घट जाती है, इतनी ज्यादा व्यापक रूप से फैली हुई है कि आम बेरोजगारी तथा घोर गरीबी के शिकार हरेक देश के लिए एक रामबाण उपाय यही सुझाया जाता है कि अपने यहां निवेश करने के लिए पूंजीपतियों को आकर्षित करे। और ठीक यही उपचार, भारतीय संघ में हरेक राज्य को भी सुझाया जाता है। यह करीब-करीब एक मानक मंत्र ही बन गया है कि, 'अगर तुम्हारे यहां गरीबी है, तो पूंजी को और बड़ी रियायतें दो, ताकि उसे लुभाकर अपने यहां ला सको और वह तुम्हें गरीबी से ऊपर उठा सके।'

बहरहाल, इस धारणा के पीछे कोई सैद्धांतिक आधार तो खैर नहीं ही है, इसके अलावा यह इतिहास में वास्तव में जो कुछ हुआ था, उसके पूरी तरह से गलत समझे जाने को ही दिखाता है। अगर यह बस एक बार के लिए एक नयी मशीन लाए जाने का ही मामला होता, तब तो जब तक पूंजी स्टॉक के संचय की रफ्तार ऊंची बनी रहती और उसमें शिथिलता नहीं आती, तब तक तो यह यह सच होता कि मशीन के लाए जाने में शुरुआत में जो बेरोजगारी होती, आगे चलकर न सिर्फ उस कमी की भरपाई हो जाती, बल्कि इस भरपाई से फालतू रोजगार भी पैदा हो जाता। लेकिन, औद्योगिक पूंजीवाद की पहचान तो अनवरत प्रक्रिया तथा उत्पाद नवाचारों या नयी खोजों से होती है। इसके कारण, श्रम के प्रतिस्थापन की प्रक्रिया तो लगातार ही चलती जाती है। ऐसी स्थिति में इसका कोई कारण ही नहीं बनता है कि पूंजीवाद से पैदा होने वाली बेरोजगारी, अपरिहार्य रूप से गायब हो जाए। संक्षेप में यह कि यह मानने को कोई सैद्धांतिक कारण है ही नहीं कि पूंजीवाद से अंततः बेरोजगारी मिट जाएगी। ब्रिटेन : आरंभिक अनुभव के तीन कारण ऐतिहासिक रूप से भी इसका पूंजीवाद की किसी अंतर्निहित प्रवृत्ति से कोई संबंध नहीं है कि शुरुआत में इससे जो बेरोजगारी पैदा हुई थी, जिस पर लुड्डाइट इतने ज्यादा खफा थे, उसका बाद में शमन हो गया। ऐसा ब्रिटेन में उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में हुआ था, जिसके तीन बिल्कुल स्पष्ट नजर आने वाले कारण थे। पहला था, ब्रिटेन से (और महाद्वीपीय यूरोप से) श्वेत नौबस्तियों वाले कम ठंडे इलाकों की ओर बड़ी संख्या में लोगों का उत्प्रवासन। अर्थशास्त्री डब्ल्यू आर्थर लेविस ने ध्यान दिलाया था कि जिसे 'दीर्घ 19वीं सदी' कहा जाता है (जिसमें पहले विश्व युद्ध तक का दौर शामिल कर लिया जाता है), उसके दौरान, पूरे पांच करोड़ यूरोपीयों ने कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड तथा दक्षिण अफ्रीका की ओर पलायन किया था। इन इलाकों में इन यूरोपीयों ने स्थानीय मूलवासियों को उनकी जमीनों से खदेड़ दिया, उन्हें सुरक्षित क्षेत्रों के बाड़ों में बंद कर दिया और खुद ज्यादातर खेतिहर बनकर बस गए। इस उत्प्रवास का पैमाना इतना बड़ा था कि अकेले ब्रिटेन में ही, 1814 से 1914 के बीच, उसकी आबादी में प्राकृतिक सालाना बढ़ोतरी का करीब-करीब आधा हिस्सा, वास्तव में इन 'नये इलाकों' के लिए पलायन कर गया था। इसने ब्रिटेन में बेरोजगारी के परिमाण में बहुत ही उल्लेखनीय पैमाने पर कम कर दी। इसमें योग देने वाला दूसरा कारक, उपनिवेशवाद का दूसरा उदाहरण था। हमारा इशारा इन नई बसाहट के उपनिवेशों (कॉलोनीज़ ऑफ सैटलमेंट) से भिन्न, जीत कर हासिल किए उपनिवेशों की ओर है। पूरी उन्नीसवीं सदी के दौरान और खासतौर पर उसके उत्तरार्द्ध में, मशीन से निर्मित उत्पादों का भारत जैसे जीत कर हासिल किए गए उपनिवेशों में निर्यात किया जा रहा था। इन उपनिवेशों में ये पूंजीवादी उत्पाद, 'निरुद्योगीकरण' के नाम से जानी गयी प्रक्रिया के जरिए, स्थानीय पूर्व-पूंजीवादी उत्पादकों को प्रतिस्थापित कर रहे थे। इसका अर्थ यह था कि ये मशीन से उत्पादित माल अब ब्रिटेन में तो बेरोजगारी पैदा नहीं कर रहे थे (क्योंकि उनका निर्यात अब उपनिवेशों में किया जा रहा था), उल्टे उत्पादन में बढ़ोतरी के माध्यम से ब्रिटेन में घरेलू बेरोजगारी में कुछ कमी जरूर कर रहे थे। इन दो कारकों के अलावा एक तीसरा कारक और था। तीसरा कारक यह था कि शुरुआती चरणों में खुद मशीनों का उत्पादन भी बहुत ही श्रम सघन हुआ करता था। (इसी से मार्क्स की यह धारणा बनी हो सकती है कि पूंजी का आवयविक गठन प्रौद्योगिकी की प्रगति के जरिए हमेशा ही बढ़ोतरी पर रहेगा।) इसलिए, हालांकि मशीन-उत्पादित माल जीवित श्रम का एक हिस्सा प्रतिस्थापित कर रहे थे, आंशिक रूस से इसकी भरपाई इस तथ्य से हो जाती थी कि खुद मशीन के निर्माण में भी काफी श्रम को खपा लिया जाता था। बहरहाल, इन तीनों कारकों का, पूंजीवाद की किसी अंतर्निहित प्रवृत्ति से कोई लेना-देना नहीं था। पहले दो कारकों का संबंध सीधे-सीधे उपनिवेशवाद से था। यहां तक कि आखिरी यानी तीसरा कारक भी, जिसका संबंध खुद मशीन निर्माण के श्रम सघन होने से था, एक संयोग भर था ; यह न तो पूंजीवाद की कोई अनिवार्य विशेषता था और न ही हमेशा के लिए सच था। इसका अर्थ यह हुआ कि यूरोप में पूंजीवादी उद्योग के विकास से आम तौर पर जो नतीजा निकाल लिया जाता है, उसकी कोई वैधता ही नहीं है। यह धारणा गलत है कि पूंजीवादी उत्पादन के विकास के क्रम में चाहे जितनी संक्रमणकालीन समस्याएं क्यों नहीं आयें और उसके लाभों का आबादी के बीच बंटवारा चाहे कितना ही असमानतापूर्ण क्यों न हो, यह अनिवार्यतः और अपरिहार्य रूप से सभी के भौतिक जीवन में बेहतरी लाता है। सच्चाई यह है कि यूरोप में जो कुछ हुआ, उसे उस दौर के विशेष संदर्भ ने ही संभव बनाया था। इसे पूंजीवाद के विकास का अपरिहार्य नतीजा नहीं माना जा सकता है। आज विकास-विरोधी हो गया है पूंजीवाद वास्तव में हम इससे और आगे भी जा सकते हैं। आज का पूंजीवाद ''विकास'' के एजेंडा के खिलाफ खड़ा हो गया है। कुछ आंकड़ों पर नजर डाल लेते हैं। 2010-20 के दशक के दौरान विश्व जीडीपी की सालाना वृद्धि दर 2.6 फीसद रही थी, जो दूसरे विश्व युद्ध के बाद के दशकों में सबसे निचली वृद्धि दर थी। विश्व श्रम उत्पादकता की वृद्धि दर, जो दशक के पूर्वार्द्ध में 1.8 फीसद थी, उत्तरार्द्ध में घटकर 1.4 फीसद ही रह गयी थी। इसलिए, हम पूरे दशक का औसत 1.6 फीसद मान सकते हैं। इसका अर्थ यह है कि विश्व अर्थव्यवस्था में रोजगार की वृद्धि दर, जो उक्त दो आंकड़ों के अंतर के बराबर होगी, इस पूरे दशक के दौरान 1 फीसद सालाना के करीब रही होगी। लेकिन, इसी दौरान श्रम शक्ति में बढ़ोतरी की सालाना दर 1 से 1.5 फीसद के बीच रही थी। इसका अर्थ यह हुआ कि इस दशक के दौरान कुल वैश्विक श्रम शक्ति में बेरोजगारी का सापेक्ष आकार, बढ़ रहा था। अगर हम विश्व अर्थव्यवस्था को समग्रता में देखें, तो इसका अर्थ यह हुआ कि नव-उदारवाद के महामारी-पूर्व के दशक के दौरान बेरोजगारी की दर बढ़ रही थी।नव-उदारवादी पूंजीवाद में, जोकि पूंजीवाद का ताजातरीन चरण है, जीडीपी की वृद्धि दर में एक सुस्ती आती है। ऐसा एक तो इसलिए होता है, क्योंकि यह पूंजीवादी विकास, असमानता को बढ़ा रहा होता है। दूसरे, ऐसा इसलिए भी होता है कि नव-उदारवादी पूंजीवाद के अंतर्गत, केन्सवादी कदमों के जरिए वृद्धि दर को ऊपर उठाने के लिए, राज्य के हस्तक्षेप के लिए दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं। इसलिए, नव-उदारवादी पूंजीवाद का अर्थ अनिवार्यतः यह होता है कि रोजगार वृद्धि भी सुस्त पड़ती है और वैश्विक श्रम शक्ति में वृद्धि की दर से भी नीचे चली जाती है। इस तरह, बेरोजगारों की फौज के सापेक्ष आकार में बढ़ोतरी, समकालीन नव-उदारवादी पूंजीवाद के अंतर्गत देखने को मिलने वाला एक तथ्य भर नहीं है, बल्कि यह उसके साथ अनिवार्य रूप से लगा हुआ आता है। सफलता के अपवाद दूसरों की क़ीमत पर बेशक, इसका अर्थ यह नहीं है कि जो भी देश बेरोजगारी तथा गरीबी से उबरने के लिए, पूंजीवाद की रामबाण दवा को अपनाएंगे, सब के सब अनिवार्य रूप से विफल ही होंगे। इसका अर्थ सिर्फ इतना है कि इस पूंजीवादी रामबाण उपचार के जरिए, इन समस्याओं पर काबू पाने में जो भी देश सफल होंगे, वास्तव में अन्य देशों की कीमत पर ही सफल हो रहे होंगे। विकास के पूंजीवादी रास्ते पर चलते हुए, सभी देशों का अपनी जनता के बहुमत की बदहाली को दूर करने के अर्थ में ''विकास'' की ओर बढ़ना, असंभव है। वास्तव में इसका उल्टा ही सच है और चूंकि बेरोजगारों की फौज का सापेक्ष आकार ही गरीबी को तय करने वाला एक बड़ा कारक होता है, आज के समय में पूंजीवाद के रास्ते पर चला जाना अनिवार्य रूप से समग्रता में विश्व अर्थव्यवस्था में शुद्ध गरीबी को बढ़ाने का काम करता है। विश्व बैंक जैसी संस्थाओं की बौद्धिक हाथ की सफाई यहां साफ दिख जाती है। इस तथ्य के आधार पर कि कुछ देश पूंजीवादी विकास के रास्ते पर चलकर गरीबी का अपना बोझ उतारने में कामयाब हुए हैं, वे यह बताने लगते हैं कि सभी देश ऐसा कर सकते हैं, जबकि विश्व अर्थव्यवस्था के उपलब्ध आंकड़े ऐसा संभव होने का सीधे-सीधे खंडन करते हैं। सच्चाई यह है कि जो भी देश इस तरह से अपनी गरीबी का बोझ उतार पाते हैं, दूसरे देशों को और गहरी गरीबी में धकेलने के जरिए ही ऐसा कर पाते हैं। सच्चाई यह है कि ऐसे छोटे-छोटे देश, जिनके यहां बेरोजगारों की कुल संख्या थोड़ी ही है और जो विकसित दुनिया से उत्पादक निवेशों को अपने यहां पुनर्स्थापन के लिए लुभा सकते हैं, पूंजीवाद के रास्ते पर चलकर अपने यहां गरीबी दूर करने में और ''विकास'' लाने में कामयाब तो हो सकते हैं। लेकिन, उनका मामला अपवाद ही माना जाएगा, जो सामान्य स्थिति को नहीं दिखाता है, बल्कि उससे ठीक उल्टी बात साबित करता है। वैकल्पिक रास्ता ज़रूरी है जो बात समग्रता में विश्व अर्थव्यवस्था के संबंध में सच है, वही भारत जैसे देशों के बारे में सच है, जहां श्रम की विशाल बेरोजगार सेनाएं मौजूद हैं, जो कि औपनिवेशिक दौर की विरासत है और इस सुरक्षित श्रम का विशाल हिस्सा खासतौर पर देश के विशाल कृषि क्षेत्र में छुपा हुआ है। ऐसी अर्थव्यवस्थाओं के संबंध में यह कल्पना करना कि वे पूंजीवादी विकास के रास्ते पर चलकर अपनी गरीबी तथा पिछड़ेपन से उबर सकती हैं, बेतुकेपन की पराकाष्ठा है। नव-उदारवादी हमला शुरू होने से पहले के दौर में हमारे देश में इस बात को अच्छी तरह से समझा जाता था। लेकिन, पिछले कुछ दशकों में पूंजीवाद को इतने जतन से यहां ''बेचा गया'' है कि यह सरल-सी सच्चाई आंखों से ओझल हो गयी है। जितनी जल्दी लोग इस तरह के विभ्रमों से बरी हो जाएंगे और विकास का एक ऐसा वैकल्पिक रास्ता अपनाने की जरूरत को पहचानेंगे, जो घरेलू बाजार पर आधारित हो (और इसलिए कृषि के सतत विकास पर टिका हुआ हो) ; जो पूंजी की सीमा पार आवाजाही पर नियंत्रण लगाए और पूंजीपतियों की 'निवेश हड़तालों' की काट करने के लिए, सार्वजनिक क्षेत्र का उपयोग करे ; मानवता के लिए उतना ही बेहतर होगा।

दतिया से शुरू कांग्रेस एकता की नई कहानी

शकील अख्तर

दतिया से मध्य प्रदेश कांग्रेस की एकता की नई कहानी शुरू हो सकती है और अगर मध्यप्रदेश के नेताओं ने यह कर दिखाया तो इसका असर उन राज्यों पर भी पड़ेगा जहां कांग्रेस भारी गुटबाजी से ग्रस्त है।फिलहाल पंजाब गुटबाजी का सबसे बड़ा केन्द्र बना हुआ है। चुनाव में छह महीने से कम का समय बचा है। कांग्रेस की संभावित जीत वाला राज्य है। मगर वहां के नेता विधानसभा जीत से ज्यादा आपस में एक दूसरे पर जीत में लगे हैं। उत्तराखंड का भी यही हाल है। वहां भी अगले साल के शुरू में चुनाव हैं। यहां भी कांग्रेस की स्थिति अच्छी बताई जा रही है। मगर गुटबाजी यहां भी खत्म होने का नाम नहीं ले रही। राजनीति में जीत जरूरी है। और जरूरी क्या सबसे अहम चीज वही है। मध्यप्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने यह समझा है। दतिया उपचुनाव में वह पूरी ताकत लगाए हुए हैं। पहला पड़ाव बेहतर उम्मीदवार को टिकट देकर उन्होंने पार कर लिया है। अच्छी छवि, पार्टी के प्रति वफादारी और सबसे अधिक जीत की संभावना वाले घनश्याम सिंह को उपचुनाव के लिए तैयार कर के जीतू पटवारी ने अपने राजनीतिक कौशल का बेहतरीन परिचय दिया है। दतिया राजघराने के वारिस कुंवर घनश्याम सिंह वैसे तो दो बार दतिया से विधायक रह चुके हैं। लेकिन फिर वे जिले की ही दूसरी जनरल सीट सेंवढ़ा पर चले गए थे। वहां 2018 का विधानसभा चुनाव जीते और अब भी वहीं तैयारी में लगे हुए थे। मगर अचनाक दतिया से 2023 में जीते कांग्रेस विधायक राजेन्द्र भारती की सदस्यता रद्द होने से यह उप चुनाव कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गया। राजेन्द्र को एक कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई थी। जिसके बाद उनकी विधायकी रद्द कर दी गई और उपचुनाव की घोषणा हो गई। दिल्ली हाई कोर्ट से भी राजेन्द्र को कोई राहत नहीं मिली। इस घटनाक्रम में एक बड़ा मोड़ तब आया जब दतिया से तीन बार से जीत रहे भाजपा के नरोत्तम मिश्रा का टिकट पार्टी ने काट दिया। नरोत्तम के लिए यह एक बड़ा झटका था। अप्रत्याशित। उनके समर्थकों ने रात भर हंगामा किया। नेशनल हाईवे जाम से लेकर गाड़ियों और पुलिस पर पथराव, भाजपा दफ्तर पर कब्जा वहां से पथराव और जिला अध्यक्ष सहित पूरी कार्यकारिणी का इस्तीफा–सब कर लिया। मगर दिल्ली और भोपाल दोनों जगह से नरोत्तम को साफ बता दिया गया कि इस तरह की अनुशासनहीनता और हिंसा के बाद टिकट पर पुनर्विचार संभव ही नहीं है। कांग्रेस के लिए यह सुनहरा मौका बन गया। अगर यहां से कांग्रेस जीत जाती है तो मुख्यमंत्री मोहन यादव की उपचुनाव में यह लगातार दूसरी हार होगी। इससे पहले इसी ग्वालियर चंबल संभाग के विजयपुर विधानसभा उपचुनाव में मोहन यादव के मंत्री रामनिवास रावत को कांग्रेस हरा चुकी है। कांग्रेस मध्यप्रदेश में हमेशा से जनता की पहली पसंद रही है। लेकिन पूरे दिल से चुनाव नहीं लड़ना और गुटबाजी के कारण पिछले 23 साल से सत्ता से बाहर है। 2018 के चुनाव में जीत कर सरकार बनाई थी। मगर एक साल बीतते बीतते मुख्यमंत्री कमलनाथ अपने ही नेता को चौलेंज करने लगे कि सड़क पर उतर कर बताओ। ज्योतिरादित्य सिंधिया उतर गए और सरकार गिरा दी। फिर बीजेपी की सरकार आ गई। और 2023 में भी। लेकिन उस समय की एक घटना कांग्रेस के लिए बहुत प्रेरणादाई रही। जब ग्वालियर चंबल संभाग के अधिकांश कांग्रेस विधायक ज्योतिरादित्य के साथ बीजेपी में चले गए। तब घनश्याम सिंह राजपरिवारों के आपसी कनेक्शन और सिंधिया गुट के माने जाने के बाद भी उनके साथ नहीं गए। उस समय सेंवढ़ा से विधायक थे। पार्टी के प्रति उनकी वह वफादारी इस समय कांग्रेस में बहुत सम्मान और अभिमान के साथ याद की जा रही है। दतिया के टिकट के दावेदार कई थे और नरोत्तम का टिकट कट जाने के बाद तो कई लोगों को लग रहा था कि उनकी जीत पक्की है। क्योंकि सब यह संभावना व्यक्त कर रहे थे कि टिकट कटने के बाद उनके लोगों का समर्थन उन्हें मिलेगा। और नरोत्तम भी नहीं चाहेंगे कि भाजपा के जिस नए प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को टिकट दिया गया है, वह जीते। क्योंकि उसकी जीत के साथ यह सीट हमेशा के लिए उनके हाथ से निकल जाएगी। नरोत्तम पहले दतिया के पड़ोस की विधानसभा सीट डबरा जिला ग्वालियर से लड़ते थे। वहां से तीन बार विधायक रहे। मगर 2008 के परिसीमन में वह सीट रिजर्व घोषित कर दी गई। ज्योतिरादित्य के साथ जाने वाली इमरती देवी जो अपने सिंधिया समर्थक बयानों के लिए काफी चर्चित रहीं कि उनके कहने से कुएं में कूद जाऊंगी वहीं से विधायक थीं। बहरहाल जिक्र दतिया का हो रहा है जिसके बारे में मशहूर है कि अगर उर्दू में लिखा जाए तो दुनिया से एक नुक्ता (लेटर) ज्यादा आएगा। इसे रियासत टाइम में ऐसे कहा जाता था कि दुनिया से ऊपर है और अपनी स्वतंत्रता स्वाभिमान के मामले में थी भी। ग्वालियर की इतनी बड़ी सिंधिया रियासत कभी अपने प्रभाव में नहीं ले पाई। बगल की झांसी रियासत भी। तो खैर नरोत्तम 2018 में दतिया आ गए। यहां की जनता की तरह नेताओं में भी एक खासियत अतिरिक्त उदारता और मदद करने की भावना रही है। खुद अपना नुकसान उठाने की सीमा तक। भाजपा के उस समय के दतिया के नेताओं ने अपने टिकट की बलि देकर नरोत्तम को यहां जगह दी। मगर समय सारे समीकरण बदल देता है। एक बार पांव जमने के बाद नरोत्तम ने फिर दतिया जिले की वह पूरी भाजपा अपने नियंत्रण में ले ली जिसने उन्हें यहां जगह दी थी। अभी केवल पूरी जिला कार्यकारिणी ही नहीं, चुने हुए नगरपालिका, पंचायत सभी भाजपा के पदाधिकारियों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। भाजपा या इससे पहले जनसंघ के इतिहास में भी ऐसा कभी नहीं हुआ। सोमवार को वे अपने प्रदेश अध्यक्ष और तमाम बड़े नेताओं के साथ नए प्रत्याशी आशुतोष का नामांकन भरवाने दतिया आ रहे हैं।

एसकेएस वर्ल्ड स्कूल की वार्षिक प्रदर्शनी में छात्रों की प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन, 300 से अधिक प्रोजेक्ट्स ने मोहा मन

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-16 स्थित एसकेएस वर्ल्ड स्कूल (एचएस-4) में शनिवार को आयोजित वार्षिक प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की रचनात्मकता, वैज्ञानिक सोच और नवाचार की शानदार झलक देखने को मिली। नर्सरी से कक्षा 12 तक के करीब 1,500 विद्यार्थियों ने विज्ञान, गणित, कंप्यूटर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, पर्यावरण, सामाजिक विज्ञान, वाणिज्य, हिंदी, अंग्रेजी और कला सहित विभिन्न विषयों पर आधारित 300 से अधिक प्रोजेक्ट एवं मॉडल प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव 'शिखर', सेवानिवृत्त उप प्रबंधक मानव संसाधन, एनटीपीसी उत्तरी क्षेत्र मुख्यालय ने दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय की प्रिंसिपल सुनीता कपूर एवं प्रिंसिपल एडमिनिस्ट्रेशन

एस.के. वैष्णव ने मुख्य अतिथि का अंगवस्त्र, पौधा और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। बच्चों ने स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। मुख्य अतिथि ने प्राचार्या सुनीता कपूर, प्राचार्या (एचएस-1) विभूषा जैन, स्कूल कोऑर्डिनेटर संगिनी शुक्ला, प्रबंधन समिति, अभिभावकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति में फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने सभी स्टॉलों का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों से उनके प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी ली और उनकी वैज्ञानिक समझ, प्रस्तुतीकरण एवं नवाचार की सराहना की। प्रदर्शनी में वर्किंग साइंस मॉडल, रोबोटिक्स, एआई आधारित

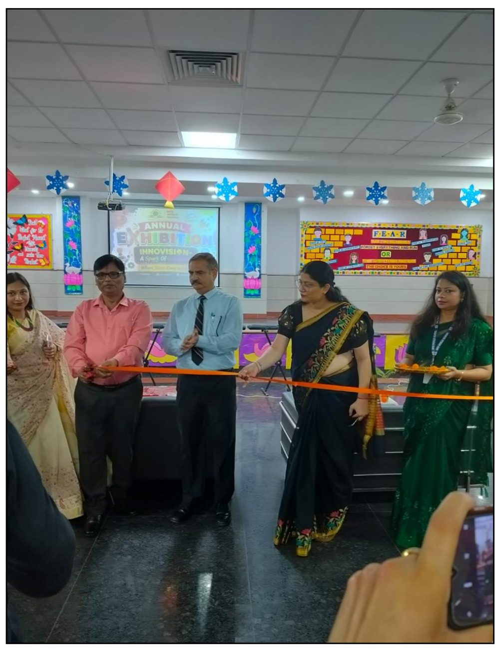

इनोवेशन, सस्टेनेबल डेवलपमेंट, सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, डिजिटल इंडिया, जैव विविधता जैसे विषयों के साथ-साथ बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, क्ले एवं पेपर क्राफ्ट, पेंटिंग और अन्य कलात्मक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि डॉ. मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यार्थियों की रचनात्मकता और तकनीकी समझ अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि आज के यही युवा वैज्ञानिक भविष्य में देश के विकास की मजबूत नींव बनेंगे। विद्यालय की प्रिंसिपल सुनीता कपूर ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल पाठ्यक्रम तक सीमित शिक्षा देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच, नवाचार, टीमवर्क और व्यावहारिक ज्ञान विकसित करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए भी तैयार करती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भी हिस्सा लिया और विद्यार्थियों के शोध, नवाचार, टीम भावना तथा रचनात्मक कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की। विद्यालय परिसर पूरे दिन विद्यार्थियों की प्रतिभा और नवाचार का जीवंत केंद्र बना रहा।

परिवहन विभाग के 32 अधिकारी विजिलेंस के रडार पर, भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच तेज

डलमऊ, रायबरेली। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग में कथित भ्रष्टाचार को लेकर विजिलेंस की कार्रवाई तेज हो गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार विभाग के 32 अधिकारी विजिलेंस की निगरानी में हैं। इन अधिकारियों पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने, दलालों के माध्यम से अवैध वसूली कराने तथा विभिन्न अचल संपत्तियों में निवेश से जुड़े आरोपों की जांच की जा रही है। रिपोर्टों के मुताबिक ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण, परमिट, फिटनेस, एनओसी और वाहन ट्रांसफर जैसे कार्यों में निर्धारित सरकारी शुल्क के अतिरिक्त अवैध वसूली किए जाने के आरोपों की भी जांच चल रही है। विजिलेंस अधिकारियों द्वारा संबंधित अधिकारियों की आय के स्रोत, चल-अचल संपत्तियों और वित्तीय लेन-देन की पड़ताल की जा रही है। हाल के दिनों में पूर्व एआरटीओ ललित कुमार के ठिकानों पर विजिलेंस की छापेमारी में कथित रूप से बड़ी मात्रा में नकदी, सोना-चांदी और अन्य संपत्तियां मिलने के बाद परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार संबंधी मामलों की जांच और निगरानी तेज हुई है। हालांकि, इन मामलों की जांच अभी जारी है और संबंधित आरोपों पर अंतिम न्यायिक या वैधानिक निर्णय आना शेष है। ऐसे में जांच पूरी होने तक सभी आरोप जांच के अधीन माने जाएंगे।

महसी में 48 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं को मिले नियुक्ति पत्र

विधायक बोले- कुपोषण मुक्त भारत की मजबूत नींव हैं आंगनबाड़ी केंद्र

बहराइच। महसी क्षेत्र के भिरवा में आयोजित कार्यक्रम में महसी विधायक सुरेश्वर सिंह ने तेजवापुर, महसी और फखरपुर ब्लॉक की चयनित 48 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र ही कुपोषण मुक्त भारत की मजबूत नींव हैं और सभी कार्यकत्रियां ईमानदारी, समर्पण व लगन के साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की सेवा करें। कार्यक्रम में तेजवापुर ब्लॉक की सात कार्यकत्रियों व 10 सहायिकाओं, महसी ब्लॉक की 16 सहायिकाओं तथा फखरपुर ब्लॉक की नौ कार्यकत्रियों व छह सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। साथ ही आठ गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और आठ बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया। इसके बाद ग्राम पंचायत कटहा में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें हजारों लोगों की सहभागिता से 3,500 पौधे लगाए गए और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में कारागार मंत्री सुरेश राही, जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव सहित बाल विकास एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बरसात में बढ़ा जहरीले जीवों का खतरा, सांप के डसने समेत दो घटनाओं से क्षेत्र में चिंता

रायबरेली। बरसात के मौसम में शिवगढ़ थाना क्षेत्र में जहरीले जीवों के काटने की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। अलग-अलग स्थानों पर हुई दो घटनाओं में एक युवक और एक किशोरी जहरीले जीवों का शिकार हो गए। दोनों को परिजनों ने तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शिवगढ़ में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पहली घटना कोटवा गांव की है, जहां 25 वर्षीय आलोक कुमार को सांप ने डस लिया। परिजनों ने बिना समय गंवाए उन्हें सीएचसी शिवगढ़ पहुंचाया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज किया जा रहा है। वहीं दूसरी घटना बिशुनपुर मजरे नरायनपुर की है। यहां 13 वर्षीय संध्या, पुत्री श्रीराम, को किसी जहरीले जीव ने काट लिया। परिजनों ने तत्काल किशोरी को सीएचसी शिवगढ़ में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत पर चिकित्सकों की लगातार निगरानी रखी जा रही है। सीएचसी शिवगढ़ के चिकित्साधिकारी डॉ. राहुल यादव ने बताया कि दोनों मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचा दिया गया, जिससे उनका उपचार प्रभावी ढंग से किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से बरसात के मौसम में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की। डॉ. राहुल यादव ने सलाह दी कि बरसात के दौरान घर और आसपास साफ-सफाई बनाए रखें, झाड़ियों और जलभराव वाले स्थानों से दूर रहें तथा बच्चों और पशुओं का विशेष ध्यान रखें। यदि किसी व्यक्ति को सांप या अन्य जहरीले जीव के काटने की आशंका हो तो बिना किसी देरी के नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर उपचार कराएं। साथ ही झाड़-फूंक जैसे उपायों के बजाय तत्काल चिकित्सकीय सहायता लेना अधिक सुरक्षित है।

जर्जर गंगा पुल पर ओवरलोड वाहनों का बढ़ता दबाव, घंटों जाम से लोग परेशान

सुरक्षा को लेकर उठे सवाल

रायबरेली। डलमऊ को फतेहपुर से जोड़ने वाला ऐतिहासिक गंगा पुल एक बार फिर अपनी जर्जर स्थिति और ओवरलोड वाहनों के बढ़ते दबाव को लेकर चर्चा में है। पुल से प्रतिदिन भारी संख्या में ओवरलोड ट्रकों का आवागमन हो रहा है, जिससे लंबा जाम लगने के साथ ही पुल की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। रविवार सुबह भी पुल पर ओवरलोड ट्रकों की लंबी कतार लग गई, जिससे कई किलोमीटर तक यातायात प्रभावित रहा। जाम में फंसे राहगीरों और वाहन चालकों को घंटों परेशानियों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल पहले से ही जर्जर अवस्था में है। इसके बावजूद क्षमता से अधिक भार वाले वाहनों का लगातार संचालन हो रहा है, जिससे किसी भी समय गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। लोगों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या के बावजूद संबंधित विभाग और प्रशासन की

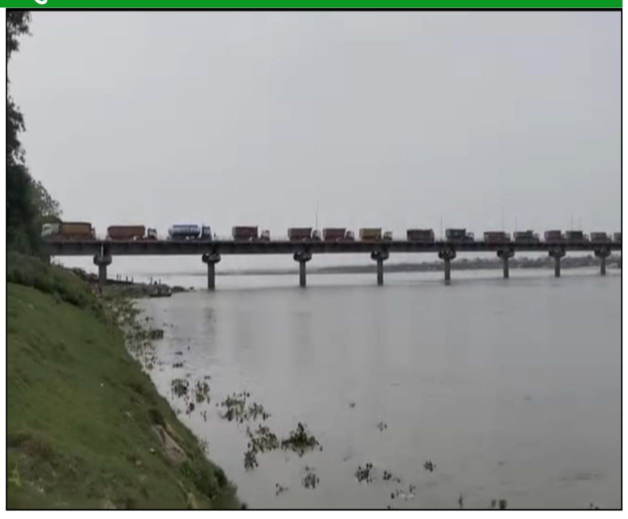

ओर से प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि गंगा पुल का तत्काल तकनीकी निरीक्षण कराया जाए, उसकी आवश्यक मरम्मत कराई जाए तथा ओवरलोड वाहनों के आवागमन पर सख्ती से रोक लगाई जाए, ताकि किसी संभावित दुर्घटना को टाला जा सके। हालांकि, पुल की संरचनात्मक स्थिति या उसके सुरक्षित अथवा असुरक्षित होने संबंधी कोई आधिकारिक रिपोर्ट सामने नहीं आई है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

पुरानी रंजिश में लोहे की रॉड से हमला, तीन घायल, दो नामजद समेत पांच के खिलाफ मुकदमा

डलमऊ, रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम करौली दमा में पुरानी रंजिश के चलते हुए जानलेवा हमले में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित की तहरीर पर डलमऊ पुलिस ने दो नामजद और तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित सचिन शुक्ला पुत्र इन्द्रमणि शुक्ला निवासी करौली दमा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके यहां कार्यरत अंकित प्रजापति सब्जी खरीदने के लिए दीनगंज बाजार गया था। आरोप है कि वहां पहले से घात लगाए बैठे सुरेन्द्र कुमार निवासी खलीलपुर, सौरभ निवासी पूरे गौतमन थाना गदागंज तथा तीन अज्ञात लोग चार पहिया वाहन से पहुंचे और अंकित पर लोहे की रॉड व अन्य हथियारों से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर सचिन शुक्ला और उनके साथी अरुण कुमार मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव का प्रयास किया। आरोप है कि इस दौरान हमलावरों ने कार की डिग्गी से लोहे की रॉड निकालकर दोनों पर भी हमला कर दिया। हमले में अरुण कुमार के सिर पर गंभीर चोट आई, जबकि सचिन शुक्ला के सिर और बाईं आंख पर चोट लगने से वह भी लहूलुहान हो गए। घटना के बाद पीड़ित ने कोतवाली डलमऊ में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो नामजद और तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

एक पेड़ मां के नाम अभियान का अमेठी में आगाज, राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने किया वृहद वृक्षारोपण

अमेठी। पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को जनपद अमेठी में वृहद वृक्षारोपण महाअभियान-2026 का शुभारंभ किया गया। एक पेड़ मां के नाम थीम पर आयोजित इस अभियान के तहत जिलेभर में विभिन्न स्थानों पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं और आम नागरिकों ने पौधरोपण कर हरित भविष्य का संकल्प लिया। मुख्य कार्यक्रम विकासखंड सिंहपुर स्थित महिया सुन्दरिया वन भूमि पर आयोजित हुआ। यहां प्रदेश के राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, शासन की नामित नोडल अधिकारी एवं आयुष विभाग की महानिदेशक चैत्रा वी. जिलाधिकारी संजय चौहान, पुलिस अधीक्षक सरवणन टी., मुख्य विकास अधिकारी पूजा साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन और पर्यावरण संरक्षण की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान

पर्यावरण संरक्षण के साथ मातृत्व के सम्मान का भी प्रतीक है। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। नोडल अधिकारी चैत्रा वी. ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान के दौर में वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से पौधरोपण के साथ पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित करने की अपील की। जिलाधिकारी संजय चौहान ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए सभी विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं और पौधों के संरक्षण की समुचित व्यवस्था भी की गई है।

वहीं पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. ने युवाओं और छात्र-छात्राओं से अधिकाधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान राज्यमंत्री ने छात्र-छात्राओं को आम के पौधे वितरित किए और पर्यावरण संरक्षण विषयक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया। बच्चों की सांस्कृतिक एवं जागरूकता संबंधी प्रस्तुतियों की उपस्थित लोगों ने सराहना की। अभियान के तहत नोडल अधिकारी, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने ग्राम पंचायत जयनगरा स्थित अमृत सरोवर परिसर में भी पौधरोपण किया। वहीं राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय, राजा फत्तेपुर (तिलोई) में सहजन का पौधा लगाकर औषधीय पौधों के महत्व का संदेश दिया गया। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी रणवीर मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह, जिला विकास अधिकारी वीर भानु सिंह, डीसी मनरेगा शेर बहादुर, ब्लॉक प्रमुख अंकित पासी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पौधरोपण के साथ उनके संरक्षण का भी संकल्प लिया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत डलमऊ में हुआ वृहद पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

डलमऊ, रायबरेली। पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति संतुलन और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के संकल्प के साथ रविवार को विकासखंड डलमऊ में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के तहत वृहद स्तर पर पौधरोपण किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर प्रदेशभर में 35 करोड़ पौधे लगाने के लक्ष्य के अंतर्गत चलाए जा रहे अभियान में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। खाद एवं रसद विभाग के नेतृत्व में आयोजित विशेष पौधरोपण कार्यक्रम में वन क्षेत्राधिकारी रविशंकर, सप्लाई इंस्पेक्टर वीर सिंह, वन दरोगा अंकित सिंह तथा ब्लॉक प्रमुख शिवराम रावत ने छायादार एवं औषधीय पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं, पूरे रेवती सिंह गौशाला परिसर में उपजिलाधिकारी सत्येंद्र सिंह, तहसीलदार मंजरी सिंह तथा राजस्व विभाग के लेखपालों ने पौधरोपण किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डलमऊ में अधीक्षक डॉ. नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों ने पौधे लगाए। नगर पंचायत डलमऊ क्षेत्र में किले के समीप स्थित पार्क में प्रतिनिधि शुभम गौड़ ने पौधरोपण किया, जबकि कोतवाली परिसर में प्रभारी निरीक्षक राघवन सिंह ने पुलिस कर्मियों के साथ पौधे रोपकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। अभियान के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि पौधरोपण तभी सार्थक होगा, जब लगाए गए पौधों का संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

वृक्षारोपण महायज्ञ में एनएसएस की जिला नोडल अधिकारी डॉ. रचना त्रिवेदी सम्मानित

उन्नाव। वन विभाग की ओर से ट्रांस गंगा सिटी में आयोजित वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की जिला नोडल अधिकारी एवं डीएसएन कॉलेज के शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. रचना त्रिवेदी को पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवक नाजिया खान और गरिमा सिंह को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने सम्मान प्रदान किया। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने डॉ. रचना त्रिवेदी के पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता अभियान की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। डॉ. रचना त्रिवेदी ने बताया कि एनएसएस स्वयंसेवकों ने वन विभाग के सहयोग से जिले में अब तक 15 हजार से अधिक पौधे नहर किनारे, गांवों, विद्यालयों और घर-घर जाकर लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पौधरोपण के साथ उनकी नियमित देखभाल भी सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी, सदर विधायक पंकज गुप्ता और भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पौधरोपण कर अभियान का शुभारंभ किया। अधिकारियों ने बताया कि जनपद में इस वर्ष 66 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

नगराम में पुलिस का पैदल मार्च, सघन चेकिंग अभियान से अपराधियों में हड़कंप

लखनऊ। कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से नगराम थाना प्रभारी अंजनी कुमार सिंह के नेतृत्व में रविवार को कस्बा नगराम और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक पैदल गश्त एवं सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने प्रमुख चौराहों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन जांच की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को चेतावनी देने के साथ आवश्यक कार्रवाई भी की गई। पुलिस की सक्रिय मौजूदगी से आम लोगों में सुरक्षा का विश्वास बढ़ा, जबकि असामाजिक तत्वों में हड़कंप मचा रहा। थाना प्रभारी अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

अस्पताल निर्माण को मिलेगी रफ्तार, रोटरी क्लब के अधिष्ठापन समारोह में 10 लाख की सहायता की घोषणा

उन्नाव। रोटरी क्लब उन्नाव और रोटरी क्लब उन्नाव सेंट्रल का संयुक्त अधिष्ठापन समारोह रविवार को अरोड़ा रिसॉर्ट में गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि रोटरी इंटरनेशनल डायरेक्टर इलेक्ट वासुदेव गोलियान रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में डिस्ट्रिक्ट 3110 के गवर्नर सीए जसबीर भाटिया, गवर्नर इलेक्ट राजीव मित्तल और गवर्नर नॉमिनी विनय कृष्णा शामिल रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन, गणेश पूजन तथा रोटरी के संस्थापक पॉल हैरिस के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। इसके बाद भारत और नेपाल का राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गणेश वंदना, मूक-बधिर विद्यालय के बच्चों का स्वागत नृत्य तथा रामायण और श्रीकृष्ण लीला पर आधारित नृत्य-नाटिका ने दर्शकों की खूब सराहना बटोरी।

समारोह में डॉ. अमरेन्द्र निगम के सहयोग से 10 दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल वितरित की गई। अधिष्ठापन के दौरान रोटरी क्लब उन्नाव सेंट्रल के अध्यक्ष के रूप में गुरुशरण सिंह और सचिव के रूप में अचल प्रकाश मिश्रा ने कार्यभार संभाला। वहीं रोटरी क्लब उन्नाव के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी नीरज निगम ने ग्रहण की, जबकि उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर सौरभ कुमार श्रीवास्तव को लगातार दूसरी बार सचिव बनाया गया। मुख्य अतिथि वासुदेव गोलियान ने दोनों क्लबों की सामाजिक गतिविधियों की सराहना करते हुए प्रस्तावित अस्पताल निर्माण के लिए 10 लाख रुपये की अग्रिम सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने भविष्य में भी हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। समारोह में आई.जे. सिंह और ए.आर. खान को चार दशक से अधिक समय तक रोटरी सेवा के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। मां पूर्णा धाम के संचालक बालकृष्ण शुक्ला को समाजसेवा और चिकित्सालय निर्माण के प्रयासों के लिए सम्मान मिला। वहीं गोविंद द्विवेदी, पियूष मिश्रा, डॉ. अमरेन्द्र निगम और संदीप सिंह को रोटरी क्लब की सदस्यता प्रदान की गई। अंत में आई.जे. सिंह ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

एक पेड़ मां के नाम महाअभियान की गूंज, आबकारी मंत्री समेत जनप्रतिनिधियों ने किया पौधरोपण

अयोध्या। प्रदेश सरकार के वृहद पौधरोपण महाअभियान-2026 के अंतर्गत रविवार को अयोध्या जनपद में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र, मसौधा में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के आबकारी एवं मद्य निषेध (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री नितिन अग्रवाल, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता तथा भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान के तहत भाजपा महानगर के 419 बूथों और नगर निगम के 60 वार्डों में स्थानीय पार्षदों एवं कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में प्रत्येक स्थान पर पौधरोपण किया गया। जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया। जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह एवं उनके प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित ने जिला पंचायत कार्यालय, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय पूरा बाजार तथा खजुराहट में पौधरोपण किया। वहीं महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने नगर निगम जोन कार्यालय परिसर, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने विद्याकुंड तथा ब्लॉक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष एवं भाजपा महानगर महामंत्री शिवेन्द्र सिंह ने मड़ना ग्रामसभा में पौधे रोपकर अभियान को गति दी।

इस अवसर पर आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि पेड़ लगाना प्रकृति और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पौधरोपण तभी सार्थक होगा, जब प्रत्येक व्यक्ति उसके संरक्षण का भी संकल्प ले। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ भावनात्मक जुड़ाव का भी सशक्त माध्यम है और प्रत्येक परिवार को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने स्वच्छ एवं हरित अयोध्या के निर्माण के लिए पौधों की नियमित देखभाल पर बल दिया। वहीं भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने लगाए गए पौधे को वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का संकल्प लेकर इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दे रहा है। अभियान में महामंत्री शैलेन्द्र कोरी, परमानंद मिश्र, उपाध्यक्ष तिलकराम मौर्य, हरिभजन गौड़, अरविंद सिंह, बालकृष्ण वैश्य, रवि शर्मा, शशि प्रताप सिंह, शिवम शुक्ला, रवि सिंह, प्रवीण दुबे, मुकेश तिवारी, रवि सोनकर, कपिल देव वर्मा, हेमंत जायसवाल, रीना द्विवेदी, गरिमा मौर्य, स्वाती सिंह, मीडिया प्रभारी अमित कुमार मिश्र, जेपी श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

पीडब्ल्यूडी के पत्र के बावजूद नहीं चेता सिंचाई विभाग

भरतकुंड मार्ग की जर्जर पुलिया बनी हादसों का कारण

अयोध्या। दर्शननगर-भरतकुंड मार्ग पर स्थित पुलिया और उसके क्षतिग्रस्त अप्रोच मार्ग की बदहाल स्थिति से श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा सिंचाई विभाग को पत्र भेजे जाने के बावजूद अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं होने से लोगों में नाराजगी है।

जानकारी के अनुसार, दर्शननगर-भरतकुंड मार्ग के चैनेज 2.050 तथा रामवन गमन मार्ग के एक किलोमीटर स्थित पुलिया के समीप अप्रोच मार्ग क्षतिग्रस्त हो चुका है। पुलिया का निर्माण पीडब्ल्यूडी ने कराया था, जबकि पैरापेट और अप्रोच मार्ग का निर्माण सिंचाई विभाग के जिम्मे था। निर्माण अधूरा रहने के कारण बरसात में मिट्टी बह गई और अप्रोच स्लैब हवा में लटक गया, जिससे मार्ग दुर्घटनाओं के लिहाज से बेहद खतरनाक हो गया है। भाजपा महानगर उपाध्यक्ष हरिभजन गौड़ ने श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा को देखते हुए इस संबंध में अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग से शिकायत की थी। शिकायत के बाद पीडब्ल्यूडी ने सिंचाई विभाग को पत्र भेजकर पैरापेट निर्माण और क्षतिग्रस्त अप्रोच स्लैब की मरम्मत कराने का अनुरोध किया, लेकिन लगभग दस दिन बीत जाने के बाद भी विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई।

भरतकुंड मार्ग धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों का आवागमन होता है। सड़क के किनारे बने गड्ढों और क्षतिग्रस्त अप्रोच मार्ग के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और लोग चोटिल हो रहे हैं। भाजपा नेता हरिभजन गौड़ ने जिलाधिकारी से तत्काल हस्तक्षेप कर मार्ग की मरम्मत कराने, पैरापेट का निर्माण पूरा कराने तथा श्रद्धालुओं और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का किया शुभारंभ

कृषि विज्ञान केंद्र में किया पौधरोपण

अयोध्या। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प के साथ रविवार को कृषि विज्ञान केंद्र, मसौधा में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के आबकारी एवं मद्य निषेध (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री नितिन अग्रवाल एवं नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने पौधे रोपकर जनसामान्य से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश सरकार से मान्यता प्राप्त पार्षद बबलू मिश्रा ने की। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन के लिए ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आधारशिला भी हैं। उन्होंने लोगों से पौधरोपण को जनआंदोलन बनाते हुए लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लेने की अपील की। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख अभिषेक सिंह, उद्योग व्यापार संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय सिंह बिन्नू, विजय यादव, दीपक निषाद, नरेंद्र मिश्रा, चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव, भोले, राजीव सिंह, मनोज यादव, मन्नू यादव, विमलेश दुबे, सतीश तिवारी, प्रेम गुप्ता, गुलाब सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सभी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

घायल दंपति से मिले समाजसेवी न्याय का दिलाया भरोसा

अयोध्या। थाना पूरा कलंदर क्षेत्र के सूरापुर गांव में मारपीट में घायल दंपति से समाजसेवी संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश यादव ने निजी अस्पताल पहुंचकर मुलाकात की। उन्होंने घायलों का हालचाल जाना, आर्थिक सहायता दी और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।सुरेश यादव ने मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय नहीं मिला तो संस्था लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेगी। उधर, पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित परिवार द्वारा लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

पिता की मौत के बाद चार मासूमों पर टूटा दुखों का पहाड़, अनाथ बच्चों ने डीएम से लगाई आवास और सहायता की गुहार

सुलतानपुर। कोतवाली देहात क्षेत्र की प्रतापगंज पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम पंचायत तिवारीपुर कुटीवा में एक मजदूर की मौत के बाद परिवार गहरे संकट में आ गया है। घटना के बाद पत्नी और चार नाबालिग बच्चों के सामने आजीविका, आवास और भविष्य की चिंता खड़ी हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, 27 वर्षीय बजरंगी वर्मा पुत्र छद्दूदीन वर्मा मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। परिजनों के मुताबिक शनिवार शाम वह काम से लौटने के बाद घर पहुंचे और रात में छप्पर के भीतर सो गए। रविवार सुबह परिजनों ने उन्हें फंदे से लटका देखा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मौत के कारणों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। बजरंगी वर्मा के निधन के बाद उनकी पत्नी अंतिमा और चार नाबालिग बच्चे-रिया 9 वर्ष, सुरभि 7 वर्ष, निधि 4 वर्ष और अनमोल 1 वर्ष बेसहारा हो गए हैं। बड़ी बेटियां प्राथमिक विद्यालय तिवारीपुर में अध्ययनरत हैं, जबकि दो बच्चे अभी काफी छोटे हैं। परिजनों का कहना है कि परिवार अत्यंत आर्थिक तंगी से गुजर रहा है। कच्चे छप्पर पर तिरपाल डालकर किसी तरह जीवनयापन किया जा रहा है। बरसात के मौसम में छप्पर गिरने का भी खतरा बना हुआ है। परिवार ने जिला प्रशासन से आर्थिक सहायता, सरकारी आवास तथा बच्चों की शिक्षा और पालन-पोषण के लिए मदद की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटना के बाद अब तक परिवार को किसी प्रकार की सरकारी सहायता नहीं मिली है। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवार को शासन की पात्र योजनाओं का लाभ दिलाने और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। उधर, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पट्टी उज्जैनिया के नव नियुक्त महंत बने संदीप दास महाराज

अयोध्या। श्री श्री 1008 गद्दीनशीन साकेतवासी महंत रमेश दास महाराज के कृपापात्र शिष्य एवं श्री कल्याण दास महाराज के बड़े गुरु भाई, संत संदीप दास महाराज को पट्टी उज्जैनिया का नव नियुक्त महंत बनाया गया है। उन्हें यह नया दायित्व सौंपे जाने पर संत समाज एवं श्रद्धालुओं में हर्ष का माहौल है।संतों और श्रद्धालुओं ने महंत संदीप दास महाराज को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में मठ एवं धार्मिक परंपराओं का संरक्षण और संवर्धन होगा। इस अवसर पर उपस्थित संत-महात्माओं ने उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए कहा कि वे गुरु परंपरा की मर्यादा एवं सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

शक्ति केंद्रों पर श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन, स्व. दादा तेजभान सिंह को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

अमेठी। पूर्व विधायक एवं जननायक स्वर्गीय दादा तेजभान सिंह की स्मृति में लोकसभा अमेठी के विभिन्न शक्ति केंद्रों पर श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय नागरिकों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसी क्रम में विकासखंड जामों के नदियावां और गोगमऊ शक्ति केंद्रों पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भाजपा प्रवक्ता चन्द्रमौलि सिंह ने सहभागिता की। उन्होंने स्व. दादा तेजभान सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया। सभा को संबोधित करते हुए चन्द्रमौलि सिंह ने कहा कि स्व. दादा तेजभान सिंह का संपूर्ण जीवन जनसेवा, सादगी, ईमानदारी और संगठन के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग के हित में कार्य किया और अपने सरल, सहज एवं आत्मीय व्यवहार से लोगों के दिलों में विशेष स्थान बनाया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। नदियावां शक्ति केंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा पंकज सिंह, मनोज पासी, मंडल अध्यक्ष राजबहादुर सिंह, पूर्व प्रधान सुधीर, अजय दुबे, पूर्व मंडल अध्यक्ष शिवकुमार सिंह, उग्रसेन सिंह, प्रधान विभु सिंह, प्रधान प्रतिनिधि रामशरण तिवारी, काशी (सुरपुर), राजदेव तिवारी, शक्ति केंद्र संयोजक अजय पांडेय, लक्ष्मीकांत मिश्रा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि सभा के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने स्व. दादा तेजभान सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों पर चलने और जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

किशनपुर से 22 वर्षीय युवती लापता, तलाश में जुटी पुलिस

फतेहपुर। किशनपुर थाना क्षेत्र से 22 वर्षीय युवती के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार युवती शनिवार शाम करीब सात बजे बिना किसी को बताए घर से चली गई थी। देर रात तक घर वापस न लौटने पर परिवार के लोगों ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इससे परिवार में चिंता का माहौल है। युवती की मां ने किशनपुर थाने में तहरीर देकर बेटी की सकुशल बरामदगी की मांग की है। थाना प्रभारी योगेश कुमार ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है। युवती की तलाश के लिए पुलिस टीमों को सक्रिय कर दिया गया है। आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटाई जा रही है तथा अन्य आवश्यक कार्रवाई भी की जा रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि युवती का जल्द पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

वामा सारथी के तत्वावधान में पुलिस परिवारों ने किया पौधरोपण

अयोध्या। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वामा सारथी, उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में पुलिस परिवारों ने वृहद पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में एसएसपी का संदेश पढ़कर सुनाया गया, जिसमें अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील करते हुए इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित भविष्य की अमूल्य धरोहर बताया गया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कानूपुर और प्रतापगंज में हुआ वृहद पौधरोपण

सुलतानपुर। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत ग्राम पंचायत कानूपुर एवं प्रतापगंज क्षेत्र में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षकों और ग्रामीणों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। ग्राम पंचायत कानूपुर में खंड विकास अधिकारी भवेश शुक्ल एवं ग्राम प्रधान लक्ष्मी नारायण तिवारी ने अंत्येष्टि स्थल पर पौधरोपण किया। इस दौरान लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने की अपील की गई। वहीं, राम प्रताप इंटरमीडिएट कॉलेज, भादा में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में प्रतापगंज चौकी प्रभारी हरिशंकर राय, प्रधानाचार्य अमिताभ द्विवेदी, प्रबंधक शिव प्रकाश उपाध्याय सहित विद्यालय परिवार और स्थानीय नागरिकों ने पौधे लगाए। इस अवसर पर काली सहाय पाठक, अजय यादव, मनीष सिंह, गोपाल जायसवाल, पवन मिश्रा, हरिकेश यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे। खंड विकास अधिकारी भवेश शुक्ल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मां के सम्मान में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधे ही जीवन का आधार हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का भी आह्वान किया।

महसी में फिर लौटाया तेंदुए का आतंक, मंदिर परिसर से विदेशी नस्ल के कुत्ते को बनाया शिकार

बहराइच। महसी तहसील में एक सप्ताह की शांति के बाद तेंदुए का आतंक फिर सामने आया है। थाना हरदी क्षेत्र के बालासराय स्थित शनिदेव मंदिर परिसर में रविवार देर रात तेंदुए ने एक विदेशी नस्ल के कुत्ते को अपना शिकार बना लिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान मिले फुटमार्क के आधार पर वनकर्मियों ने तेंदुए की मौजूदगी की पुष्टि की। हालांकि, ग्रामीणों का आरोप है कि तेंदुए को पकड़ने के लिए अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। गौरतलब है कि इसी क्षेत्र से करीब आठ किलोमीटर दूर पिछले सप्ताह तेंदुए ने सात लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया था। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में भय का माहौल है और वन विभाग से तेंदुए को जल्द पकड़ने की मांग तेज हो गई है।

राम मंदिर दान विवाद से अयोध्या के सिंधी समाज ने बनाई दूरी, कहा- श्रद्धा के दान का हिसाब मांगना हमारी परंपरा नहीं

अयोध्या। राम मंदिर को दिए गए दान को लेकर चल रहे विवाद के बीच अयोध्या के सिंधी समाज ने मुंबई के सिंधी समाज के नेता राजू मनवानी के बयान से सार्वजनिक रूप से दूरी बना ली है। समाज के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि श्रद्धा और आस्था से किए गए दान का हिसाब मांगना सिंधी समाज की परंपरा नहीं है।

रामनगर स्थित मंदिर परिसर में आयोजित प्रेसवार्ता में समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि सिंधी समाज सेवा, समर्पण और सनातन संस्कृति के मूल्यों में विश्वास रखता है। प्रभु श्रीराम के प्रति समाज की आस्था सदैव अटूट रही है और राम मंदिर आंदोलन से लेकर मंदिर निर्माण तक समाज ने पूरी निष्ठा के साथ अपना योगदान दिया है। समाज के पदाधिकारी संदीप ने कहा कि आस्था से किए गए दान को विवाद का विषय बनाना उचित नहीं है। उनका आरोप था कि कुछ लोग राजनीतिक महत्वाकांक्षा और लोकप्रियता हासिल करने के उद्देश्य से इस मुद्दे को अनावश्यक रूप से तूल दे रहे हैं।

नरेश क्षेत्रपाल ने कहा कि वर्ष 1947 के विभाजन के बाद अयोध्या में बसे सिंधी समाज ने अपने निवास क्षेत्र का नाम रामनगर रखा था। उन्होंने कहा कि राम मंदिर निर्माण के लिए देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं ने योगदान दिया और सिंधी समाज भी इस अभियान में पूरी निष्ठा से सहभागी रहा। प्रेसवार्ता में वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकरण में मुख्यमंत्री द्वारा गठित एसआईटी की जांच रिपोर्ट आने का इंतजार किया जाना चाहिए। यदि जांच में दान या चढ़ावे से जुड़ी किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है, तो दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। समाज के पदाधिकारियों नरेश क्षेत्रपाल, सुमित मखेजा सहित अन्य वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि राजू मनवानी का बयान उनका व्यक्तिगत मत है और उससे अयोध्या का सिंधी समाज स्वयं को अलग करता है। उन्होंने कहा कि सिंधी समाज हमेशा श्रद्धा से दान देने की परंपरा का पालन करता आया है और समाज की आस्था को किसी भी विवाद से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

फिल्म से जुड़ीं तो लौटीं बंटवारे की यादें

अंजना सुखानी बोलीं- धूप में खड़ी थी, अमिताभ बच्चन ने कुर्सी और छाता भिजवाया

इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में मेहर का किरदार निभा रहीं अंजना सुखानी ने दैनिक भास्कर से खास बातचीत में फिल्म, करियर और जिंदगी से जुड़े किस्से साझा किए। उन्होंने बताया कि उनके परिवार का पार्टीशन से गहरा जुड़ाव रहा और इस दौर की कहानियों ने फिल्म को उनके लिए निजी बना दिया। बातचीत में उन्होंने अमिताभ बच्चन की विनम्रता और शाहरुख खान की इंसानियत से जुड़े अनुभव भी साझा किए। सवालरू आपकी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' रिलीज हो चुकी है। आपके किरदार और फिल्म को कैसा रिस्पॉन्स मिल रहा है? जवाबरू बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से फिल्म को प्यार मिल रहा है। आखिर यह इम्तियाज अली की फिल्म है, तो उम्मीद भी यही थी। मेरे किरदार 'मेहर' को भी लोग पसंद कर रहे हैं। फिल्म की कहानी काफी इंटेंस है। उसमें प्यार, बंटवारे का दर्द और ट्रॉमा है। ऐसे माहौल में मेरा किरदार हल्कापन और ह्यूमर लेकर आता है। मेहर बहुत मुंहफट है और मन में आता है, वह बोल देती है। लोग कह रहे हैं कि उसका किरदार फिल्म में ताजगी जैसा महसूस होता है। यह सुनकर खुशी होती है।अंजना सुखानी की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।सवालरू आपके किरदार को लेकर सबसे खूबसूरत कॉम्प्लिमेंट क्या मिला? जवाबरू काफी अच्छे कॉम्प्लिमेंट मिले, लेकिन बार-बार सुनने को मिला कि मेहर का किरदार कहीं न कहीं 'जब वी मेट' की गीत जैसा लगता है। गीत भी बेफिक्र थी और बिना सोचे अपनी बात कह देती थी। यह तुलना मेरे लिए बहुत बड़ा कॉम्प्लिमेंट है। सवालरू इम्तियाज अली अपने किरदारों पर बहुत काम करते हैं। आपने मेहर के किरदार के लिए अलग से क्या तैयारी की?जवाबरू इम्तियाज खुद इतनी तैयारी करके आते हैं कि कलाकारों को ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती। मेरा किरदार भी सॉफ्ट और हल्का था, इसलिए तैयारी ज्यादा नहीं करनी पड़ी। मैंने सिर्फ समझने की कोशिश की कि इस किरदार का बैकग्राउंड क्या है और उसकी सोच कैसी है। मैं नहीं चाहती थी कि यह किरदार नकारात्मक लगे। मेहर जो भी बोलती है, वह मासूमियत में बोलती है, किसी को चोट पहुंचाने के इरादे से नहीं। मैं हमेशा स्क्रिप्ट मिलने के बाद अपने हिसाब से कैरेक्टर स्केच लिखती हूं और फिर डायरेक्टर से उस पर चर्चा करती हूं। उसके बाद चीजें आसान हो जाती हैं। फिल्म की शूटिंग के दौरान डायरेक्टर इम्तियाज से सीन पर चर्चा करतीं अंजना सुखानी। सवालरू फिल्म पार्टीशन के दौर की कहानी है। उस समय को समझने के लिए आपने क्या किया? जवाबरू मेरे नाना-नानी और दादा-दादी दोनों ही बंटवारे के समय भारत आए थे। मेरी नानी कराची से थीं। मैंने उनसे उस दौर की कई कहानियां सुनी हैं। कुछ साल पहले मैंने गूगल मैप पर उन्हें उनका पुराना इलाका दिखाया था। वह भावुक हो गई थीं। उन्होंने सोचा भी नहीं था कि जिस जगह को छोड़कर आई थीं, उसे कभी फिर देख पाएंगी। मेरे लिए वह खास पल था। सवालरू आपकी नानी उस दौर के बारे में और क्या बताती थीं? जवाबरू वह बताती थीं कि उनका परिवार काफी संपन्न था। वहां उनके बड़े घर थे, लेकिन यहां आना पड़ा तो सब कुछ पीछे छोड़ना पड़ा। उन्होंने बताया था कि वे सिर्फ कुछ निजी चीजें ही बचाकर ला पाईं। सोचिए, एक दिन अचानक कोई कह दे कि यह शहर अब आपका नहीं है और आपको सब छोड़कर जाना होगा। यह बहुत दर्दनाक होता होगा। जब मैंने फिल्म देखी तो मुझे बार-बार उनकी बातें याद आईं और महसूस हुआ कि उस दौर से गुजरने वाले लोगों ने कितना कुछ सहा होगा। सवालरू शूटिंग के दौरान सबसे यादगार अनुभव क्या रहा? पंजाब में शूटिंग का माहौल कैसा था? जवाबरू हमारे ज्यादातर हिस्से मुंबई के सेट पर शूट हुए और कुछ शूटिंग चंडीगढ़ में हुई। माहौल बहुत अच्छा था। सबसे पहले पंजाब का खाना, सुबह गरमागरम कुलचे और छोले मिलते थे। नवंबर का मौसम था, हल्की ठंड थी, इसलिए शूटिंग और मजेदार रही। मेरे ज्यादातर सीन नसीर साहब, दिलजीत और रजत सर के साथ थे, इसलिए सेट पर परिवार जैसा माहौल महसूस होता था। नसीरुद्दीन शाह के साथ फिल्म के एक दृश्य में अंजना सुखानी। सवालरू नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? जवाबरू मैंने उनसे ज्यादा बातें नहीं कीं क्योंकि उनका किरदार इंटेंस था। जब कोई कलाकार इतने गहरे किरदार में होता है, तो उसे स्पेस देना जरूरी होता है। वह सेट पर अपने में रहते थे, लेकिन उन्हें काम करते देखना सीखने जैसा था। किसी भी कलाकार के लिए उनके साथ स्क्रीन शेयर करना बड़ी बात है। सवालरू दिलजीत दोसांझ आज ग्लोबल स्टार बन चुके हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा? जवाबरू मुझे लगता है कि दिलजीत ग्लोबल स्टार बनने के लिए ही बने हैं। उनका म्यूजिक हर पीढ़ी पसंद करती है। एक कलाकार के तौर पर मुझे उनकी सबसे खास बात उनकी आंखों की सच्चाई लगती है। जब वो परफॉर्म करते हैं तो लगता है कि पूरी ईमानदारी से किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में भी उन्होंने ठहराव और सादगी के साथ काम किया है। सवालरू आपकी जर्नी काफी खूबसूरत रही है। सबसे बड़ी सफलता आप किसे मानती हैं? जवाबरू मेरे लिए सबसे बड़ी सफलता यही है कि मुझे इतने बड़े और बेहतरीन लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। आज कितने लोग कह सकते हैं कि उनकी फिल्म थिएटर में रिलीज हुई, वो भी ऐसे फिल्ममेकर्स और कलाकारों के साथ। मेरे लिए यही सफलता है। बॉक्स ऑफिस कोई तय नहीं कर सकता। हम सिर्फ अपना काम और मेहनत कंट्रोल कर सकते हैं। अंजना सुखानी कहती हैं कि काम मिले या न मिले, ऑडिशन आपको अपनी क्षमता समझने का मौका देता है। सवालरू आपने कई बड़े डायरेक्टर्स और दिग्गज कलाकारों के साथ काम किया है। अब तक की जर्नी में सबसे खूबसूरत बात क्या रही है? जवाबरू मेरे लिए सबसे खूबसूरत बात यही है कि मुझे देश के बेहतरीन फिल्ममेकर्स के साथ काम करने का मौका मिला। जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो लगता है कि निखिल आडवाणी, रोहित शेट्टी, राम गोपाल वर्मा, राज मेहता और इम्तियाज अली जैसे निर्देशकों के साथ काम करना बड़ी बात है। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं। सवालरू इतने बड़े नामों के साथ काम करने की बात आई, तो अमिताभ बच्चन के साथ आपका अनुभव कैसा रहा? उनसे क्या सीखने को मिला? जवाबरू मैंने उनके साथ एक कैडबरी विज्ञापन और बाद में फिल्म डिपार्टमेंट में काम किया। उनसे मैंने सबसे बड़ी चीज विनम्रता सीखी। मेरी नानी कहा करती थीं कि जिस पेड़ पर जितने ज्यादा फल होते हैं, वह उतना ही झुकता है। अमिताभ बच्चन इसकी सबसे अच्छी मिसाल हैं। मुझे आज भी याद है, कैडबरी विज्ञापन की शूटिंग के दौरान मैं धूप में खड़ी थी। मैं नई थी, लेकिन उन्होंने अपने स्टाफ से कहा कि मुझे कुर्सी और छाता दिया जाए। शायद उनके लिए वह छोटी बात रही होगी, लेकिन मेरे लिए वह बड़ा पल था। इतने बड़े कलाकार का इतना ध्यान रखना मुझे हमेशा याद रहेगा। सवालरू क्या किसी और कलाकार के साथ भी ऐसा कोई अनुभव रहा, जिसने आपको प्रभावित किया हो? जवाबरू हां, शाहरुख खान के साथ। एक अवॉर्ड शो में मुझे तुरंत वॉशरूम जाना था और पास में सिर्फ उनकी वैन थी। मैंने पूछा कि क्या मैं इस्तेमाल कर सकती हूं। उन्होंने सहजता से दरवाजा खोला, अंदर ले गए और बाद में बाहर तक छोड़ने आए। इतने बड़े स्टार होने के बाद भी उनमें अहंकार नहीं है। शायद यही वजह है कि लोग उन्हें इतना प्यार करते हैं। अंजना सुखानी कहती हैं कि हम इंडस्ट्री में मेहनत कर सकते हैं, लेकिन नतीजे हमारे हाथ में नहीं होते। सवालरू कोई ऐसा किरदार जो आपके दिल के करीब रहा हो? जवाबरू एक फिल्म थी जश्न। भट्ट साहब ने फिल्म प्रोड्यूस की थी। वह बड़ी हिट नहीं हुई, लेकिन उसका किरदार मेरे दिल के करीब था। मुझे उस किरदार से खुद को जोड़ना आसान लगा। इसके अलावा सलाम-ए-इश्क भी मेरे लिए खास रही क्योंकि वह मेरी शुरुआती बड़ी फिल्मों में से थी। सवालरू करियर का सबसे मुश्किल दौर क्या रहा? जवाबरू हर कलाकार की जिंदगी में ऐसा समय आता है जब उसे मनचाहा काम नहीं मिलता। वह समय भावनात्मक रूप से मुश्किल होता है। लेकिन वही दौर आपको मजबूत बनाता है। यह आपके ऊपर है कि आप उससे टूटते हैं या मजबूत होकर निकलते हैं। सवालरू आगे किस तरह के किरदार करना चाहती हैं? जवाबरू मैं एक मैच्योर लव स्टोरी करना चाहूंगी। साथ ही मुझे लगता है कि मैं कॉमेडी अच्छी कर सकती हूं। पहले अभिनेत्रियों के लिए कॉमिक किरदार ज्यादा लिखे जाते थे, लेकिन अब ऐसे मौके कम हैं। मैं चाहूंगी कि महिलाओं के लिए अच्छी कॉमेडी लिखी जाए।

फिल्म श्अल्फाश् 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के प्रमोशन के तहत इसकी लीड एक्ट्रेसेस आलिया भट्ट और शरवरी वाघ समय रैना के शो श्इंडियाज गॉट लेटेंट 2श् के प्रीमियर एपिसोड में पहुंचीं। इसी बीच, इंडिया टीवी को दिए इंटरव्यू में श्अल्फाश् में नजर आने वाले एक्टर बॉबी देओल से पूछा गया कि क्या वह भी आलिया और शरवरी की तरह श्इंडियाज गॉट लेटेंट 2श् में दिखाई देंगे। इस सवाल के जवाब में बॉबी देओल ने कहा, ष्ये कौन-सा शो है? मुझे तो इसके बारे में पता भी नहीं है।ष् इसके बाद वह अगले सवाल की ओर बढ़ गए। हाल ही में 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' के पहले एपिसोड में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ बतौर गेस्ट शामिल हुईं। एपिसोड के दौरान समय रैना और आलिया भट्ट ने एक-दूसरे पर मजाकिया अंदाज में तंज कसे और रोस्ट किया। शो में समय रैना ने आलिया भट्ट का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा कि आलिया शो के पहले एपिसोड में गेस्ट बनकर आई हैं। इस दौरान आलिया ने हंसते हुए कहा, ष्मुझे अब थोड़ा पछतावा हो रहा है।ष् समय ने फिल्म श्जिगराश् पर तंज कसा इस पर समय रैना ने तंज कसते हुए कहा, ष्मुझे भी श्जिगराश् देखकर पछतावा हुआ था।ष् समय की यह बात सुनकर आलिया और शरवरी जोर से हंसने लगीं। हालांकि, आलिया ने भी बिना देर किए मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ष्कम से कम आपने फिल्म तो देखी।ष् इसके बाद समय ने कहा, ष्आपके पास बैठकर थोड़ा नर्वस महसूस कर रहा हूं, क्योंकि मैं आपके पति का बहुत बड़ा फैन हूं।ष् कांस और लेटेंट की तुलना कर मजाक किया समय ने यह भी कहा, 卐आलिया जी, आप इतनी बड़ी एक्ट्रेस हैं। आपकी फिल्मों ने 5000-6000 करोड़ रुपए की कमाई की है। आपके पास इतने फिल्मफेयर अवॉर्ड हैं, नेशनल अवॉर्ड है, बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड है। फिर आप यहां आखिर क्यों आई हैं? श्लेटेंटश् में आने की क्या जरूरत थी? कहां कांस, कहां लेटेंट और यहां कैमरे आप पर हैं।ष् इस पर सब हंसने लगे। फिर जवाब देते हुए आलिया ने कहा, ष्नहीं-नहीं समय, सच कहूं तो हम सभी यह बात पूरे भरोसे के साथ कह सकते हैं कि हमें हंसाने के लिए हम सब कपिल शर्मा के बहुत आभारी हैं।ष् फिर समय ने कहा, ष्वाह! आलिया जी, यहां फनी हो गईं आप। जाकिर भाई के साथ क्या हो गया था?ष्पिछले साल शो विवादों में रहा शो में शरवरी वाघ भी गेस्ट के तौर पर पहुंचीं। समय रैना ने मजाक में उन्हें पहचानने से इनकार कर दिया। वहीं शरवरी से पूछा गया कि क्या उन्होंने लेटेंट के एपिसोड देखे हैं, जिस पर एक्ट्रेस ने कहा, 卐मैंने शो के वीडियो न्यूज चौनलों पर देखे हैं।卐 पिछले साल 'इंडियाज गॉट लेटेंट' को लेकर समय रैना विवादों में रहे थे। शो को लेकर उनके खिलाफ केस दर्ज हुआ था और मामला कोर्ट तक पहुंचा था।

'हार्ट ब्रेक गाने सिर्फ पुरुषों के लिए'

बॉलीवुड की बेबाक गायिका सोना मोहपात्रा अक्सर अपने बयानों से सुर्खियों में आ जाती हैं. किसी भी मुद्दे पर सोना खुलकर बोलती हैं और अब उनका मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में पुरुष प्रधान गाने ज्यादा होते हैं न कि महिला प्रधान. सोना ने बॉलीवुड संगीत में जेंडर बायस (लिंग-आधारित भेदभाव) को लकर चर्चा की है. उन्होंने इसे लेकर शाहरुख खान और अरिजीत सिंह के गाने श्जालिमाश् का उदाहरण भी दिया है. उनके मुताबक जब उन्हें इस गाने के लिए बुलाया गया था तो उनके साथ कुछ ऐसा हुआ था जिसने उन्हें हैरान कर दिया था. हार्ट ब्रेक गाने सिर्फ पुरुषों के लिए सोना मोहपात्रा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से एक इवेंट का वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने बताया कि बॉलीवुड सॉन्ग्स को सुनकर ऐसा लगता है कि श्हार्टब्रेक गाने सिर्फ पुरुषों के लिएश् ही हैं. सिंगर ने एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा, श्बॉलीवुड में दिल टूटने वाले सभी गाने पुरुषों के लिए ही होते हैं.श् आगे उन्होंने कहा, श्प्यार भी वही महसूस करते हैं, दर्द भी वही दिखाया जाता है. मुझे जब भी किसी डुएट गाने के लिए बुलाया गया, तो अक्सर मुझे सिर्फ आखिर में गाने का मौका मिला.श् उन्होंने आगे कहा कि जब उन्हें श्जालिमाश् गाने के लिए बुलाया गया था तो वो हैरान रह गई थी. श्क्या मर्द खुद से ही प्यार कर रहे हैं?श् बता दें कि जालिमा गाना शाहरुख खान की फिल्म रईस (2017) का है. इसे अरिजीत सिंह ने आवाज दी थी. सोना ने बताया, श्क्योंकि मुखड़ा, अंतरा, मुखड़ा, अंतरा...ये सभी हिस्से पुरुष गायक ही गाते थे. इसमें अरिजीत की कोई गलती नहीं हैय वह एक बेहतरीन कलाकार हैं. लेकिन महिला गायिका आखिर में क्यों आती है? प्रीतम (म्यूजिक डायरेक्टर) से मेरा सवाल था, श्क्या पुरुष खुद से ही प्यार कर रहा है?श् यह कैसा डुएट है?...असल बात यह है कि इसमें किसी की गलती नहीं है, लेकिन इंडस्ट्री में संगीत का सिस्टम ऐसा हो गया है कि लोग रिस्क लेने से डरते हैं.श् महिला सिंगर्स को बराबरी का मुकाम कैसे मिलेगा? आगे महिला सिंगर्स के हक की बात करते हुए सोना ने कहा, श्ये बातचीत सिर्फ गानों की नहीं बल्कि प्रतिनिधित्व की है. अगर कोई इंडस्ट्री महिलाओं की मजबूत कहानियां बनाना बंद कर देती है, तो आखिरकार वो मशहूर महिला स्टार्स बनाना भी बंद कर देगी.श् सोशल मीडिया पर यूजर्स सोना के इस बयान पर मिली-जुली प्रतिक्रिया दे रहे हैं. सोना महापात्रा के हिट गाने 50 साल की सोना मोहपात्रा इंडटस्ट्री में महिला सिंगर्स की स्थिति को लेकर पहले भी कई बात कर चुकी हैं. सिंगर ने अपनी पहचान श्अंबररसियाश, श्नैनाश, श्बेदर्दी राजाश, श्जिया लागे नाश् और श्मुझे क्या बेचेगा रुपैयाश् जैसे गानों से बनाई है.

पेरिस की निराशा को सिनर ने विंबलडन में पीछे छोड़ा, बताया क्यों खास है जीत? पांचवां ग्रैंडस्लैम जीता

विंबलडन। यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वर्ष का तीसरा ग्रैंडस्लैम विंबलडन का खिताब जीता। पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में सिनर ने एलेक्सजेंडर ज्वेरेव को मात दी। जीत के बाद सिनर ने इस खिताबी जीत को बेहद खास बताया है। विश्व नंबर एक इटली के यानिक सिनर ने एक बार फिर साबित कर दिया कि पेरिस की निराशा का जवाब वह विंबलडन में खिताब जीतकर देना जानते हैं। सिनर ने रविवार को खेले गए पुरुष एकल फाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-7, 7-6 , 6-3, 6-4 से हराकर लगातार दूसरी बार विंबलडन का खिताब अपने नाम किया। यह उनके करियर का पांचवां ग्रैंडस्लैम खिताब है। जीत के बाद सिनर ने बताया कि उनके लिए विंबलडन की ये बेहद खास है। सिनर बोले- हर ग्रैंडस्लैम की अपनी अलग कहानी सिनर ने कहा कि हर

ग्रैंडस्लैम की अपनी अलग कहानी और महत्व होता है, लेकिन इस बार की जीत उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने माना कि फ्रेंच ओपन में मिली हार के बाद विंबलडन जीतना आसान नहीं था, इसलिए इस सफलता की खुशी और भी ज्यादा है। मैच के बाद सिनर ने कहा कि हर ग्रैंडस्लैम का माहौल, चुनौती और अनुभव अलग होता है। उनके लिए यह खिताब इसलिए भी खास है क्योंकि फ्रेंच ओपन में मिली निराशा के बाद उन्होंने खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाया। उन्होंने कहा कि इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्होंने काफी मेहनत की और अपना पूरा ध्यान सिर्फ बेहतर प्रदर्शन पर लगाया। सिनर ने कहा, श्मेरे लिए यह जीत बहुत मायने रखती है। पेरिस के बाद वापसी करना आसान नहीं था। मैंने खुद को तैयार करने के लिए काफी मेहनत की और आज उसका परिणाम मिला।श् उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी अलेक्जेंडर ज्वेरेव की भी जमकर तारीफ की। सिनर ने कहा कि ज्वेरेव लगातार अपने खेल में सुधार कर रहे हैं और उनके खिलाफ खेलना हमेशा मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि मजबूत प्रतिद्वंद्वी ही खिलाड़ियों को अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। सिनर ने अल्कारेज के खिलाफ बढ़त मजबूत की इस जीत के साथ सिनर ने बड़े खिताब जीतने की दौड़ में भी कार्लोस अल्कारेज के खिलाफअपनी बढ़त मजबूत कर ली है। उनके नाम अब कुल 17 बड़े खिताब हो गए हैं। इनमें ग्रैंडस्लैम, एटीपी फाइनल्स, एटीपी मास्टर्स 1000, और ओलंपिक सिंगल्स स्वर्ण पदक जैसे बड़े टूर्नामेंट शामिल हैं। वहीं, कार्लोस अल्कारेज के नाम फिलहाल 15 बड़े खिताब हैं। जीत के बाद जैसे ही सिनर ने मैच प्वाइंट पर शानदार फोरहैंड विनर लगाया, वह जश्न मनाने के लिए कोर्ट की घास पर पीठ के बल लेट गए। पिछले वर्ष भी उन्होंने रोलां गैरां (फ्रेंच ओपन) फाइनल में कार्लोस अल्कारेज के खिलाफ तीन मैच प्वाइंट गंवाने की निराशा के बाद विंबलडन जीतकर शानदार वापसी की थी। ज्वेरेव के खिलाफ जीता लगातार 10वां मैच यह ज्वेरेव के खिलाफ सिनर की लगातार 10वीं जीत रही। फ्रेंच ओपन में अपने करियर का पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने के बाद आत्मविश्वास से भरे ज्वेरेव इस बार भी सिनर की चुनौती पार नहीं कर सके। ज्वेरेव ने पहले सेट का कड़ा टाईब्रेकर शानदार फोरहैंड विनर के साथ जीतकर बढ़त बनाई थी।

इस नियम ने हमारा खेल बर्बाद कर दिया

स्विटजरलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को अर्जेंटीना के खिलाफविश्व कप क्वार्टर फाइनल मैच के दूसरे हाफ में वीडियो रिव्यू के बाद रेडकार्ड दिखाये जाने के फैसले पर विवाद हो गया है और यह तो तय है कि इससे पूरे टूर्नामेंट में रैफरियों द्वारा अर्जेंटीना का पक्ष लिये जाने की आलोचना करने वाले और मुखर हो जायेंगे। स्विटजरलैंड के लिये डैन एन्डोये ने 67वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। इसके बाद अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो पेरेडेस को एम्बोलो से टकराने के कारण येलो कार्ड दिखाया गया लेकिन वीडियो रिव्यू में नजर आया कि पेरेडेस से टकराने से पहले ही एम्बोलो गिर रहे थे। एम्बोलो को मैच में पहले येलो कार्ड मिल चुका था जिसकी वजह से उन्हें रेडकार्ड दिया गया। मैच 1 . 1 से बराबर होने के बाद स्विटजरलैंड को दस खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा। अर्जेंटीना ने अतिरिक्त समय में दो गोल करके उसे 3 . 1 से हराया। इस विश्व कप में पहली बार येलो कार्ड का फैसला बदला गया। नियमों के अनुसार अगर गलत खिलाड़ी को येलो या रेड कार्ड दिखाया जाता है तो वीडियो सहायता रैफरी दखल दे सकता है। स्विटजरलैंड के कोच मुरात याकिन ने कहा ,'' हमें एक नियम का खामियाजा भुगतना पड़ा जो मेरी राय में पूरी तरह से अस्वीकार्य है। इस तरह से बाहर होना बहुत दुखद है। मुझे नहीं लगता कि हमारे साथ ऐसा होना चाहिये था। मेरी टीम ने पूरी लगन और जुनून के साथ खेला और मुझे उस पर गर्व है।'' उन्होंने पुर्तगाल के रैफरी जोओ पिन्हेइरो की आलोचना करते हुए कहा ,'' रैफरी ने गलत फैसला लिया। यह सजा लायक गलती नहीं थी। मुझे पता है कि वे अपने रैफरी का बचाव करेंगे लेकिन इस नियम ने आज हमारा खेल बर्बाद कर दिया। यह काफी दर्दनाक है कि हम इस तरह से बाहर हुए।'' अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने स्वीकार किया कि किस्मत ने उनका साथ दिया क्योंकि स्विटजरलैंड का एक खिलाड़ी बाहर था। स्विस कप्तान ग्रैनिट जाका ने कहा ,'' रेडकार्ड ने मैच का परिणाम बदल दिया। इस फैसले को स्वीकार कर पाना मुश्किल है।''

इंग्लैंड के खिलाफमहिला टेस्ट में भारत बेहद मजबूत, यास्तिका भाटिया पहले शतक के करीब

भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे एकमात्र महिला टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने अपनी पकड़ बेहद मजबूत कर ली है। मुकाबले के तीसरे दिन रविवार को लंच के समय तक भारत ने अपनी दूसरी पारी में चार विकेट के नुकसान पर 250 रन बना लिए हैं। पहली पारी में मिली 115 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त के आधार पर अब भारतीय टीम की कुल बढ़त 365 रनों की हो चुकी है। भारतीय पारी को विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने बेहद धैर्य और संयम के साथ संभाले रखा। यास्तिका फिलहाल 91 रन बनाकर क्रीज पर टटी हुई हैं और वह अपने पहले टेस्ट शतक से केवल नौ रन की दूरी पर हैं। उन्होंने तीसरे दिन की शुरुआत 39 रन से की थी और लंच ब्रेक तक 139 गेंदों का सामना करते हुए बेहद सूझबूझ भरी बल्लेबाजी का नजारा पेश किया। इससे पहले, दिन की शुरुआत एक विकेट पर 154 रन के स्कोर से करने के बाद भारतीय टीम को कुछ शुरुआती झटके लगे। इंग्लैंड की गेंदबाज लॉरेन बेल ने भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करते हुए स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स को जल्दी-जल्दी पवेलियन का रास्ता दिखाया। बेल ने 27 रन देकर दो विकेट चटकाए। शानदार बल्लेबाजी कर रहीं स्मृति मंधाना 70 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स केवल तीन रन ही बना सकीं। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भी अच्छी शुरुआत मिलने के बाद बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहीं। वह सोफी एक्लेस्टोन की गेंद पर आउट होने से पहले 34 गेंदों में केवल 16 रन ही बना सकीं। इंग्लैंड की ओर से सोफी एक्लेस्टोन ने अब तक 84 रन देकर दो विकेट हासिल किए हैं।

इतिहास की सबसे सफल साझेदारी खत्म!

प्व्स् की पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने अपने लंबे समय से हेड कोच रहे स्टीफन फ्लेमिंग से अलग होने का फैसला किया है। इसके साथ ही इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास की सबसे सफल साझेदारियों में से एक का अंत हो गया है। फ्लेमिंग सबसे पहले 2008 में प्व्स् के पहले सीजन के दौरान एक खिलाड़ी के तौर पर ट्वेम से जुड़े थे और 2009 में उन्होंने हेड कोच की भूमिका संभाली थी। अगले 17 सालों में, उन्होंने क्रिकेट की सबसे सफल फ्रैंचाइजी प्रणालियों में से एक को बनाने में अहम भूमिका निभाई।

अगले विश्वकप में 64 टीमें हो सकती हैं शामिल, इन्फेंटिनो बोले- हर देश को सपने देखने का हक

नई दिल्ली। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि 2030 फीफा विश्व कप में टीमों की संख्या बढ़ाकर 64 करने के प्रस्ताव पर 2026 विश्व कप के बाद विचार किया जाएगा। उनका मानना है कि हर देश को विश्व कप में खेलने का सपना देखने और खुद को साबित करने का अवसर मिलना चाहिए। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने संकेत दिए हैं कि 2030 फीफा पुरुष विश्व कप में टीमों की संख्या बढ़ाकर 64 किए जाने के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा 2026 विश्व कप के समाप्त होने के बाद फीफा की संबंधित समितियां इस मुद्दे पर चर्चा करेंगी। इन्फेंटिनो का मानना है कि दुनिया के हर देश को विश्व कप खेलने का सपना देखने का अवसर मिलना चाहिए, क्योंकि इससे छोटे देशों को भी बेहतर प्रदर्शन करने और फुटबॉल के स्तर को ऊंचा उठाने की प्रेरणा मिलेगी। हर देश को मिलना चाहिए विश्व कप खेलने का

मौका स्विस मीडिया आउटलेट ब्लूविन को दिए इंटरव्यू में इन्फेंटिनो ने कहा, श64 टीमों वाले विश्व कप का मुद्दा निश्चित रूप से इस विश्व कप के बाद संबंधित समितियों में चर्चा के लिए रखा जाएगा।श् उन्होंने आगे कहा, शहर देश को विश्व कप में खेलने का सपना देखने का अधिकार होना चाहिए। दुनिया भर में टीमों का स्तर लगातार बेहतर हो रहा है। यदि छोटे देशों को विश्व कप में खेलने का मौका नहीं मिलेगा, तो उनके पास आगे बढ़ने की प्रेरणा भी कम हो जाएगी।श् 2026 में पहली बार 48 टीमों का विश्व कप साल 2026 फीफा विश्व कप, जिसकी मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको संयुक्त रूप से कर रहे हैं, इतिहास का पहला विश्व कप है जिसमें 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इससे पहले 1998 से 2022 तक विश्व कप में 32 टीमें खेलती थीं। 48 टीमों का फॉर्मेट पूरी तरह सफलरू इन्फेंटिनो फीफा अध्यक्ष ने 32 से 48 टीमों के विस्तार को पूरी तरह सफल बताते हुए कहा कि यह फैसला फुटबॉल के वैश्विक विकास के लिए बेहद सकारात्मक साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में 64 टीमों का प्रारूप लागू होता है तो इससे अधिक देशों को भागीदारी का अवसर मिलेगा, हालांकि मैचों की संख्या, आयोजन और लॉजिस्टिक्स जैसी चुनौतियां भी बढ़ेंगी। 2030 विश्व कप होगा ऐतिहासिक 2030 फीफा विश्व कप कई मायनों में ऐतिहासिक होगा क्योंकि यह टूर्नामेंट तीन महाद्वीपों के छह देशों में आयोजित किया जाएगा। इनमें उरुग्वे (शताब्दी समारोह का उद्घाटन मैच), अर्जेंटीना, पराग्वे, मोरक्को, पुर्तगाल और स्पेन शामिल हैं।

गुओ हान्यू-क्रिस्टीना म्लादेनोविक बनीं महिला युगल चैंपियन, सीधे सेटों में जीता फाइनल

लंदन। चीन की गुओ हान्यू और फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविक ने विंबलडन 2026 महिला युगल का खिताब जीत लिया। फाइनल में उन्होंने गैब्रिएला डाब्रोव्स्की और लुइसा स्टेफनी की जोड़ी को 6-3, 7-5 से हराकर अपना पहला साझा ग्रैंड स्लैम खिताब अपने नाम किया। चीन की गुओ हान्यू और फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविक की जोड़ी ने रविवार को विंबलडन 2026 महिला युगल का खिताब अपने नाम कर लिया। दसवीं वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोव्स्की और ब्राजील की लुइसा स्टेफनी को 6-3, 7-5 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। दोनों खिलाड़ियों की जोड़ी के रूप में यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है।

पहले सेट में पूरी तरह हावी रहीं गुओ और म्लादेनोविक फाइनल मुकाबले में गुओ हान्यू और क्रिस्टीना म्लादेनोविक ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। दोनों ने पहले सेट में 5-0 की बढ़त बना ली। हालांकि डाब्रोव्स्की और स्टेफनी ने लगातार तीन गेम जीतकर वापसी की कोशिश की, लेकिन वे सेट नहीं बचा सकीं और 6-3 से हार गईं। दूसरे सेट में रोमांचक मुकाबला दूसरे सेट में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कई बार बढ़त बनाने का प्रयास किया, लेकिन म्लादेनोविक के दमदार फोरहैंड और दोनों खिलाड़ियों के शानदार तालमेल ने मुकाबला बराबरी पर बनाए रखा। 5-5 की बराबरी पर गुओ हान्यू ने शानदार क्रॉस-कोर्ट बैकहैंड विनर लगाकर निर्णायक ब्रेक हासिल किया। इसके बाद म्लादेनोविक ने अपने सर्विस गेम में संयम बनाए रखते हुए फोरहैंड विनर के साथ मैच और खिताब अपने नाम कर लिया। गुओ का पहला, म्लादेनोविक का सातवां ग्रैंड स्लैम डबल्स खिताब यह जीत दोनों खिलाड़ियों के लिए बेहद खास रही। गुओ हान्यू ने अपने पहले ही ग्रैंड स्लैम फाइनल में खिताब जीतने का कारनामा किया। वहीं 34 वर्षीय क्रिस्टीना म्लादेनोविक ने अपने करियर का सातवां महिला युगल ग्रैंड स्लैम खिताब जीता।

अर्थ जगत

14 जुलाई को लॉन्च होगा सर्विसेज प्रोडक्शन इंडेक्स, जानें कैसे नए आर्थिक पैमाने से बदलेगी देश की तस्वीर

नई दिल्ली। भारत में सर्विस सेक्टर की मासिक रफ्तार मापने के लिए डवैच्प् 14 जुलाई को नया शइंडेक्स ऑफ सर्विसेज प्रोडक्शनश् (आईएसपी) लॉन्च कर रहा है। जानें कैसे यह सूचकांक अर्थव्यवस्था का पूरा परिदृश्य बदल देगा और नीति निर्माताओं के कितने काम आएगाय पूरी रिपोर्ट विस्तार से पढ़ें। भारतीय अर्थव्यवस्था में आधे से अधिक हिस्सेदारी रखने वाले सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) की हर महीने की धड़कन को मापने के लिए सरकार एक नया और बेहद सटीक पैमाना लाने जा रही है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (डवैच्) 14 जुलाई को देश का पहला शइंडेक्स ऑफ सर्विसेज प्रोडक्शनश् (प्ैच्) यानी सेवा उत्पादन सूचकांक जारी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। जानकार इसे एक हाई फ्रीक्वेंसी इकोनॉमिक बैरोमीटर के तौर पर देख रहे हैं। इसका नया आधार वर्ष 2024-25 तय किया गया है। यह कदम नीति निर्माताओं, निवेशकों और कारोबारियों को अर्थव्यवस्था के सबसे बड़े हिस्से की तात्कालिक और सटीक स्थिति समझने में मदद करेगा। क्या है नया इंडेक्स ऑफसर्विसेज प्रोडक्शन और इसकी जरूरत क्यों पड़ी? अब तक हमारे पास देश की मासिक औद्योगिक गतिविधि को मापने के लिए शइंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शनश् (आईआईपी) तो था, लेकिन सेवा क्षेत्र के लिए ऐसा कोई मासिक संकेतक उपलब्ध नहीं था। जबकि भारत की आर्थिक वृद्धि का मुख्य इंजन अब सेवा क्षेत्र बन चुका है और यह देश के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में आधे से अधिक का योगदान देता है। अर्थशास्त्रियों का मानना था कि एक मजबूत मासिक सेवा संकेतक न होने से अर्थव्यवस्था के वास्तविक रुझानों को समय पर ट्रैक करना मुश्किल होता था। नया आईएसपी (आईएसपी) इसी कमी को दूर करेगा और औद्योगिक सूचकांक (आईआईपी) के पूरक के रूप में काम करेगा। आईएसपी में कौन-से सेक्टर्स शामिल होंगे और क्या बाहर रहेगा? यह सूचकांक बाजार आधारित सेवाओं के एक बड़े हिस्से को कवर करेगा। इसमें मुख्य रूप से निम्नलिखित सेक्टर्स को शामिल किया जा रहा हैरू व्यापार और परिवहन दूरसंचार आवास और मनोरंजन वित्तीय गतिविधियां रियल एस्टेट ये क्षेत्र मिलकर कुल सेवा क्षेत्र के जीवीए का लगभग दो-तिहाई हिस्सा बनाते हैं, जो इसे बेहद मजबूत संकेतक बनाता है। हालांकि, पहले चरण में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवाओं को डेटासेट विकसित होने की प्रक्रिया में होने के कारण इससे बाहर रखा गया है।

पश्चिम एशिया में तनाव से फिर घबराया बाजार, सेंसेक्स 650 अंक टूटा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति और ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज बंद करने की खबरों से वैश्विक बाजारों में भारी गिरावट आई है। सोमवार को सेंसेक्स 650 से अधिक अंक टूट गया और निफ्टी 24,000 के स्तर पर आ गया। बाजार की इस हलचल और इसके दूरगामी प्रभावों पर पढ़ें हमारी विस्तृत रिपोर्ट। भारतीय बाजार पर सोमवार सुबह क्या असर हुआ?सोमवार को भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत बेहद कमजोर रही और प्रमुख सूचकांक लाल निशान पर खुले। बीएसई सेंसेक्स 650 अंकों से अधिक लुढ़क गया, जबकि निफ्टी 24,000 के महत्वपूर्ण स्तर का परीक्षण करता नजर आया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में 0.9: तक की गिरावट दर्ज की गई। सुबह 9 बजकर 41 मिनट पर बीएसई सेंसेक्स 446.48 अंक (0.57:) टूटकर 77,122.91 पर और एनएसई निफ्टी 137.21 अंक (0.57:) फिसलकर 24,069.70 पर कारोबार कर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 34 पैसे गिरकर 95.72 पर आ गया। इस गिरावट के दौरान सबसे ज्यादा नुकसान ऑटो और मेटल सेक्टर के शेयरों को उठाना पड़ा, जिनमें भारी बिकवाली देखी गई। यह गिरावट इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि इससे पहले पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को निफ्टी लगातार दूसरे सत्र में बढ़त बनाते हुए 1.1: की तेजी के साथ बंद हुआ था। लेकिन सोमवार को नए भू-राजनीतिक संकट ने बाजार की इस बढ़त पर पूरी तरह से पानी फेर दिया। बाजार में इस भारी गिरावट की मुख्य वजह क्या है? बाजार में मची इस खलबली के पीछे सबसे बड़ा कारण पश्चिम एशिया में युद्ध का नया दौर और तनाव का बढ़ना है। इसके साथ ही कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने वैश्विक स्तर पर महंगाई की चिंता को दोबारा हवा दे दी है। सबसे बड़ी खबर यह आ रही है कि ईरान ने श्स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुजश् को बंद कर दिया है। विशेषज्ञों और विश्लेषकों का मानना है कि ईरान के इस कदम से वैश्विक जोखिम धारणा और कच्चे तेल की कीमतों पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। यही कारण है कि वैश्विक स्तर पर निवेशक जोखिम भरे एसेट्स से दूरी बना रहे हैं। सेंसेक्स पैक से इंटरग्लोब एविएशन, टाटा स्टील, मारुति, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक और बजाज फिनसर्व प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एनटीपीसी, एचसीएल टेक और पावर ग्रिड लाभ में रहे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 3.96 फीसदी बढ़कर 79.02 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। बाजार पर भू-राजनीतिक तनाव का प्रभाव राजनीतिक तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया है। इससे निवेशकों की समग्र भावना पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी करीब 7 फीसदी गिर गया। जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का ैम् कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक भी निचले स्तर पर कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजारों की क्या स्थिति रही? पश्चिम एशिया की इस अशांति की चपेट में केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के तमाम बड़े बाजार आ गए हैं। टोक्यो समय के अनुसार सुबह 10रू47 बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर निम्नलिखित गिरावट दर्ज की गईरू एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.3: की गिरावट आई। जापान का निक्केई 225 फ्यूचर्स1.8: की भारी गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। जापान का ही टोपिक्स सूचकांक भी 0.7: नीचे फिसल गया। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपीध्एएसएक्स 200 (ै-च्ध्।ग् 200) 0.3: कमजोर रहा। चीन का शंघाई कंपोजिट 0.6: और यूरो स्टॉक्स 50 फ्यूचर्स भी 0.6: की गिरावट के साथ खुले। हालांकि, इन सबके बीच हांगकांग का हैंग सेंग इकलौता ऐसा बाजार रहा जो विपरीत परिस्थितियों में भी 1: की बढ़त हासिल करने में कामयाब रहा। विदेशी निवेश और पिछले सत्र का प्रदर्शन शुक्रवार को अमेरिकी बाजार उच्च स्तर पर बंद हुए थे। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 2,603.72 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। शुक्रवार को सेंसेक्स 827.57 अंक या 1.08 फीसदी उछलकर 77,569.39 पर बंद हुआ था। निफ्टी 244.10 अंक या 1.02 फीसदी बढ़कर 24,206.90 पर समाप्त हुआ था। क्या आगे भी बनी रहेगी यह अस्थिरता?

मानसून में सिर्फ स्टैंडर्ड कार इंश्योरेंस पॉलिसी के भरोसे न रहें, इन चार ऐड-ऑन से बढ़ाएं सुरक्षा

नई दिल्ली। मानसून में जलभराव के कारण कार को होने वाला नुकसान सामान्य कार इंश्योरेंस में हमेशा कवर नहीं होता। इंजन प्रोटेक्शन, जीरो डेप्रिसिएशन, रोडसाइड असिस्टेंस और कंज्यूमेबल्स जैसे ऐड-ऑन कवर भारी मरम्मत खर्च से बचाने में मदद करते हैं और बारिश के मौसम में बेहतर सुरक्षा प्रदान करते हैं। आशीष अपनी नई कार से दफ्तर के लिए निकले थे। रास्ते में तेज बारिश आई और अंडरपास के नीचे पानी भर गया। आशीष ने सोचा बड़ी गाड़ी है, निकल जाएगी। पानी के बीच में जाकर कार बंद हो गई। सर्विस सेंटर पहुंचने पर पता चला इंजन में पानी चला गया है। मरम्मत का खर्च करीब डेढ़ लाख रुपये। सबसे बड़ा झटका तब लगा जब इंश्योरेंस कंपनी ने क्लेम इसलिए खारिज कर दिया कि यह साधारण कार पॉलिसी में कवर नहीं है! अगर आप भी सोचते हैं कि आपकी साधारण कॉम्प्रिहेंसिव कार इंश्योरेंस पॉलिसी बारिश से होने वाले नुकसान की भरपाई कर देगी, तो आप गलत हैं। मानसून के जोखिमों से निपटने के लिए आपको अपनी पॉलिसी में कुछ खास अतिरिक्त कवर जोड़ने होंगे। मानसून के चार सुरक्षा कवच, जो बचाएंगे बड़ा खर्च इंजन प्रोटेक्शन कवररू बारिश के मौसम में सड़कों पर पानी भरना आम बात है। अधिक जलभराव के कारण इंजन का खराब होना एक आम समस्या है। यदि पानी इंजन में चला जाए, तो इंजन पूरी तरह ठप (हाइड्रोस्टेटिक लॉक) हो सकता है। साधारण इंश्योरेंस में क्लेम खारिज कर दिया जाता है। इंजन सुरक्षा ऐड-ऑन लेने पर इंजन की मरम्मत और पार्ट्स बदलने का भारी-भरकम खर्च बीमा कंपनी उठाती है। जीरो डेप्रिसिएशन कवररू जब गाड़ी की मरम्मत के लिए क्लेम किया जाता है, तो कंपनी पार्ट्स की उम्र के हिसाब से डेप्रिसिएशन काट लेती है। खासकर प्लास्टिक, नायलॉन और रबर के पार्ट्स पर 50 फीसदी तक कटौती होती है। यह ऐड-ऑन लेने पर आपको गाड़ी के सभी कलपुर्जों (ट्यूब, बैटरी और टायर को छोड़कर) पर 100 फीसदी क्लेम मिलता है और जेब से पैसा नहीं देना पड़ता। रोड साइड असिस्टेंस कवररू तेज बारिश के बीच सड़क पर गाड़ी बंद हो जाना बेहद मानसिक तनाव देता है। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए आप 24इ7 रोड साइड असिस्टेंस ऐड-ऑन कवर का विकल्प चुन सकते हैं। यह कवर आपातकालीन स्थिति में टोइंग, मौके पर छोटी-मोटी मरम्मत, ईंधन की व्यवस्था और वैकल्पिक वाहन जैसी अमूल्य सहायता समय पर उपलब्ध कराता है। यह एड-ऑन सुनिश्चित करता है कि आपको समय पर सहायता प्राप्त हो। कंज्यूमेबल्स कवररू गाड़ी की मरम्मत के दौरान इस्तेमाल होने वाले इंजन ऑयल, नट-बोल्ट, मड फ्लैप, ग्रीस और ब्रेक ऑयल जैसी चीजों का खर्च साधारण पॉलिसी में शामिल नहीं होता। यह छोटा-मोटा दिखने वाला खर्च कुल मिलाकर बड़ा बन जाता है। कंज्यूमेबल्स ऐड-ऑन सुनिश्चित करता है कि आप अतिरिक्त लागतों से सुरक्षित रहें। बदल रहा है बीमा का बाजार अब तकनीक और नियमों के बदलने से कार इंश्योरेंस का तरीका भी काफी आधुनिक हो चुका है, जिसका फायदा हर निवेशक और वाहन मालिक को उठाना चाहिए। पे एज यू ड्राइवरू मोटर इंश्योरेंस में सबसे बड़े बदलावों में से एक यूसेज-बेस्ड इंश्योरेंस का बढ़ता चलन है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई नo UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।